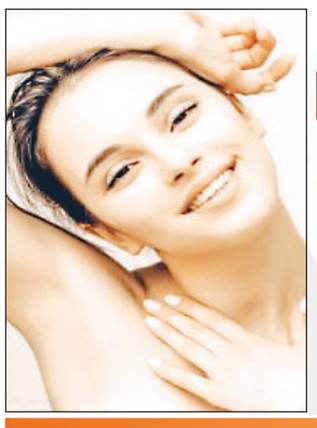

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आप भी चेहरे पर वैसिंग कराती हैं? जानें कितना सुरक्षित है पेज: 7

'श्री श्री के जरिए बड़े परदे पर नजर आएंगे पूजा हेगड़े और पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 104 | शनिवार 18 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

पंजाब कांग्रेस का 'पावर गेम' चरम पर: चन्नी-बाजवा मिले, राहुल गांधी ने की बैठक

नई दिल्ली एजेंसी: 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर चल रहे विवाद के बीच, पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अभियान समिति के अध्यक्ष चरणजीत सिंह चन्नी ने बुधवार को चंडीगढ़ स्थित आवास पर पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा से मुलाकात की। कांग्रेस नेतृत्व ने 1 जुलाई को घोषणा की कि अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष बने रहेंगे। खबरों के अनुसार, चन्नी इस फैसले का विरोध कर रहे हैं और नेतृत्व में बदलाव चाहते हैं; कुछ वरिष्ठ नेता जालंधर के सांसद के अभियान का समर्थन भी कर रहे हैं। इस बीच, पंजाब के लिए अक्छउ के इंचार्ज भूपेश बघेल ने कांग्रेस के महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल को एक रिपोर्ट सौंपी। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में वारिंग को ही राज्य अध्यक्ष बनाए रखने की सिफारिश की गई है,

सामने बैठे थे 6 देशों के एनएसए, अजीत डोभाल ने इस दौरान ऐसा क्या कह दिया जिससे पूरी दुनिया में हलचल मच गई

नई दिल्ली एजेंसी: जहां दुनिया का एक बड़ा हिस्सा युद्ध, तनाव और भू-राजनीतिक टकरावों में उलझा हुआ है, वहीं भारत ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि स्थायी नेतृत्व ताकत के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सहयोग और सामूहिक सुरक्षा की नई इबारत लिखने से स्थापित होता है। नई दिल्ली में बिम्सटेक देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की पांचवीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अपने संबोधन के जरिए पूरी दुनिया को एक बड़ा रणनीतिक संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद, साइबर हमलों, समुद्री चुनौतियों और आर्थिक अस्थिरता जैसे साझा खतरों का समाधान टकराव नहीं, बल्कि विश्वास, साझेदारी और समन्वित कार्रवाई में है। डोभाल के इस संदेश ने न केवल भारत की क्षेत्रीय कूटनीति

को नई धार दी, बल्कि यह भी संकेत दे दिया कि हिंद-प्रशांत में उभरते शक्ति समीकरणों के बीच भारत अब सुरक्षा एजेंडा तय करने वाला निर्णायक नेतृत्व बन चुका है। हम आपको बता दें कि इस बैठक में भारत के अलावा बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों तथा प्रतिनिधिमंडलों ने हिस्सा लिया। बिम्सटेक महासचिव ने सुरक्षा क्षेत्र में संगठन की प्रगति का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए सदस्य देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की स्थिति से अवगत कराया। इसके बाद सभी देशों ने आतंकवाद, संगठित अपराध, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, संपर्क (कनेक्टिविटी) और उभरते सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए व्यावहारिक तथा परिणामोन्मुख उपायों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक की सबसे बड़ी उपलब्धि समुद्री मानवीय सहायता एवं आपदा राहत के लिए समुद्री संचालन संबंधी दिशा-निर्देशों को अपनाना रही। इन दिशानिर्देशों से प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में सदस्य देश पहले से कहीं अधिक तेज, समन्वित और प्रभावी राहत अभियान चला सकेंगे।

समुद्री संचालन संबंधी दिशा-निर्देशों को अपनाना रही.....

बैठक की सबसे बड़ी उपलब्धि समुद्री मानवीय सहायता एवं आपदा राहत के लिए समुद्री संचालन संबंधी दिशा-निर्देशों को अपनाना रही। इन दिशानिर्देशों से प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में सदस्य देश पहले से कहीं अधिक तेज

इसके साथ ही समुद्र में कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच संपर्क और कार्रवाई के लिए साझा मार्गदर्शक सिद्धांतों को भी मंजूरी दी गई। इनका उद्देश्य समुद्री अभियानों के दौरान पारदर्शिता, पूर्वानुमेयता और सुरक्षा बढ़ाना है, ताकि गलतफहमियों और टकराव की संभावनाएं कम हों। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में क्षेत्रीय सहयोग अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। उन्होंने कहा कि दुनिया आज सशस्त्र संघर्षों, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, बहु-क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों, तकनीकी व्यवधानों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अवरोधों के कारण पैदा हुए आर्थिक दबावों का सामना कर रही है। ऐसे समय में बिम्सटेक देशों को साझा हितों की रक्षा के लिए सामूहिक और निर्णायक कदम उठाने होंगे। डोभाल ने बिम्सटेक की रणनीतिक क्षमता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह मंच दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के दो सबसे गतिशील क्षेत्रों को जोड़ता है। करीब 1.7 अरब आबादी और लगभग पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की संयुक्त अर्थव्यवस्था वाला यह समूह वैश्विक आबादी के लगभग 22 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि इन देशों को केवल बंगाल की खाड़ी ही नहीं जोड़ती, बल्कि हजारों वर्षों की साझा सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक संबंध भी इन्हें एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बिम्सटेक ने आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध, साइबर खतरों और समुद्री सुरक्षा जैसी साझा चुनौतियों के विरुद्ध उल्लेखनीय प्रगति की है। अब संगठन नई और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भी सामूहिक क्षमता विकसित कर रहा

भारत में आधारभूत संरचना क्रांति ! राजनाथ सिंह ने बीआरओ को सराहा, कहा- विकास की नई मिसाल

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन की ओर से आयोजित 'स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर कॉन्क्लेव' को संबोधित किया और संगठन के साढ़े छह दशकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े छह दशकों में, संगठन ने सचमुच अपने आदर्श वाक्य, 'कड़ी मेहनत से सब कुछ संभव है' को साकार किया है। अटल टनल और सेला टनल जैसे प्रोजेक्ट्स का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिस तेजी से आप अब सबसे मुश्किल इलाकों और ऊंचे पहाड़ों पर सड़कें और हाईवे बना रहे हैं, वैसी तेजी हमारे इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई। टेक्नोलॉजी को अपनाने के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता ही आपकी

सबसे बड़ी ताकत है। और बीआरओ परिवार के एक सदस्य के तौर पर, जब मैं आपकी उपलब्धियों को देखता हूँ, खासकर पिछले दशक की उपलब्धियों को, तो मुझे गर्व महसूस होता है। राजनाथ सिंह ने इंफ्रास्ट्रक्चर के लगातार बने रहने वाले रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि किसी देश की ताकत चाहे कितनी भी ज्यादा क्यों न हो, उसे खड़े होने के लिए मजबूत जमीन की जरूरत होती है। बीआरओ सीमावर्ती इलाकों में एयरफील्ड भी बनाता है। युद्ध के तरीके चाहे कितने भी बदल जाएं, सड़कों, सुरंगों और एयरफील्ड का महत्व हमेशा बना रहेगा। बीआरओ देश की ताकत का एक अहम स्तंभ बना रहेगा। इसने खुद को सिर्फ.एक कंस्ट्रक्शन एजेंसी से बदलकर दुनिया के सबसे सम्मानित रणनीतिक इंफ्रास्ट्रक्चर संगठनों में से एक बना लिया है। कॉन्क्लेव के समय पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने भारत में बुनियादी ढांचे में हुए बड़े बदलाव का ज़िक्र किया और कहा कि कॉन्क्लेव का विषय टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और बेहतरीन क्रियान्वयन के जरिए क्षमता बढ़ाना - भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि सभ्यताओं को न केवल उनकी उपलब्धियों के लिए, बल्कि उनके द्वारा बनाई गई सड़कों और बुनियादी ढांचे के लिए भी याद किया जाता है। आज भारत जो बुनियादी ढांचा बना रहा है, वह उसकी सभ्यता की एक अहम पहचान बन जाएगा। पहले के इंफ्रास्ट्रक्चर कामों की आलोचना पर बात करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि आजादी के बाद इस दिशा में कुछ नहीं हुआ, लेकिन जितना ध्यान दिया जाना चाहिए था

मानसून सत्र में मोदी सरकार को घेरेगी कांग्रेस, राम मंदिर-पेपर लीक पर उठाएगी सवाल

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मॉनसून सत्र के दौरान वह कई मुद्दों पर नरेंद्र मोदी सरकार को घेरेगी। इन मुद्दों में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित चोरी, पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था का सिस्टमैटिक तौर पर खराब होना, महंगाई और विदेश नीति शामिल हैं। पार्टी ने यह भी घोषणा की कि वह परिसीमन और मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों को हटाने से जुड़े प्रस्तावित संविधान संशोधन बिलों का, साथ ही सत्र के दौरान पेश किए जाने वाले कई अन्य कानूनों का भी कड़ा विरोध करेगी। यह रणनीति कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की चेयरपर्सन सोनिया गांधी के 10 जनपथ स्थित आवास पर हुई कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में तय की गई। इस बैठक में

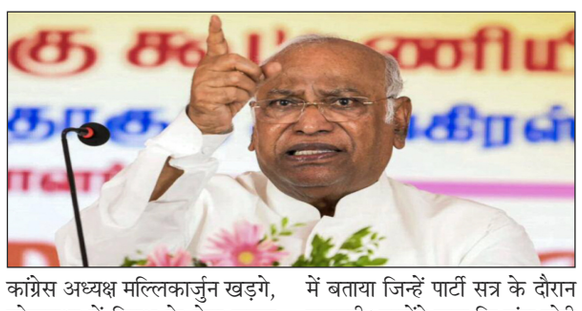

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल, राज्यसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक जयराम रमेश, पी चिदंबरम, के सुरेश, नसीर हुसैन, मणिकम टैगोर, कुमारी शैलजा, तारिक अनवर, शशि थरूर, मनीष तिवारी और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में खड़गे ने उन मुद्दों के बारे में बताया जिन्हें पार्टी सत्र के दौरान उठाएगी। उन्होंने कहा कि चंदा चोरी -- आस्था के साथ धोखा, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था का अंदरूनी पतन, संस्थाओं पर कब्जा, राजनीतिक पार्टियों को तोड़ना, कई घोटाले और भ्रष्टाचार के आरोप, कमरतोड़ महंगाई, विदेश नीति की विफलताएं और रणनीतिक गलतियां, 3.5 करोड़ वाहन मालिकों पर इथेनॉल ब्लेंडिंग थोपना, बेतहाशा पेड़ों की कटाई, और एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर लगातार हमले - ये कुछ ऐसे अहम मुद्दे हैं जिन पर कांग्रेस पार्टी संसद के आने वाले मॉनसून सत्र में मोदी सरकार से जवाब मांगेगी। खरगे ने कहा कि रणनीति बैठक में उन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई जो लोगों के जीवन और उनकी उम्मीदों पर असर डालते हैं। बाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी को पता चला है कि केंद्र सरकार परिसीमन पर संविधान संशोधन विधेयक को फिर से पेश करने की तैयारी कर रही है, जबकि इस साल की शुरूआत में वह इसके लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में नाकाम रही थी।

सोनम वांगचुक की सेहत को लेकर चिंतित आदित्य ठाकरे, कहा- बीजेपी को युवा भारत की कोई चिंता नहीं

नई दिल्ली एजेंसी: शिवसेना (यूटीबी) नेता आदित्य ठाकरे ने क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का समर्थन किया है और एक्टिविस्ट की चिंताओं के प्रति बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कथित असंवेदनशीलता की आलोचना की है। ठाकरे ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह जनता के मुद्दों को हल करने के बजाय बांटने वाली राजनीति को प्राथमिकता दे रही है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि दिल्ली में सोनम वांगचुक जिस मुद्दे के लिए उपवास कर रहे हैं, उसके प्रति बीजेपी सरकार की असंवेदनशीलता से बस एक ही बात साबित होती है: इस सरकार को युवा भारत की बिल्कुल भी परवाह नहीं है। उन्होंने 2026 नीट-यूजी एंट्रेंस एग्जाम का पेपर लीक होने को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर खास तौर पर निशाना साधा और कहा कि प्रधान को इसके लिए ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उन्हें पद से हटा देना चाहिए। ठाकरे

ने कहा कि उनकी बहुत सीधी-सी मांग है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान... को ज़िम्मेदार ठहराया जाए। उन्हें उनके पद से हटा दिया जाना चाहिए। मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी गंभीर घटना के बाद भी, किसी भी देश में ऐसा अयोग्य केंद्रीय मंत्री अपने पद पर नहीं बना रहता। एग्जाम पेपर लीक, इथेनॉल पॉलिसी और राम मंदिर के मुद्दे जैसे हालिया विवादों पर बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि इखढ सत्ता बनाए रखने के लिए इन मामलों का इस्तेमाल जनता के बीच बंटवारा करने के लिए कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि चाहे पेपर लीक का मामला हो, इथेनॉल का मुद्दा हो या मंदिर का मामला... इखढ की बस एक ही पॉलिसी है: लोगों के बीच बंटवारा करना और अपनी सत्ता बनाए रखना। इस बीच, दिल्ली हाई कोर्ट ने निर्देश दिया है कि नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे वांगचुक की सेहत पर रोज नजर रखी जाए। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की डिवीजन बेंच ने इस बात पर जोर दिया कि हर नागरिक की जान कीमती है और सरकारी अधिकारियों को उसे बचाने के लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए।

राहुल गांधी का आरोप: बीजेपी ने उत्तराखंड को पेपर लीक का 'एपिसेंटर' बनाया

उत्तराखंड: शुक्रवार को देहरादून में छात्रों के साथ बातचीत से पहले, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि उत्तराखंड पेपर लीक का केंद्र बन गया है और उन्होंने युवाओं के भविष्य को नीलाम न होने देने का संकल्प लिया। गांधी ने कहा कि वह 17 जुलाई को देहरादून का दौरा कर रहे हैं क्योंकि 'देवभूमि' को पेपर लीक का केंद्र बना दिया गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि यूकेएसएसएससी उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षाओं को लेकर यहां एक 'सिस्टम' बन गया है, जिसमें पटवारी या लेखपाल जैसे पद मेरिट के आधार पर नहीं, बल्कि अपराधियों द्वारा तय की गई कीमतों पर हासिल किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने नकल-रोधी कानून तो बनाया, लेकिन पेपर लीक होने का सिलसिला जारी रहा। गांधी ने कहा कि कानून सिर्फ. कागजों तक ही सीमित रहा, जबकि परीक्षा के पेपर बाजार में बिकते रहे। जरा सोचिए: एक छात्र सालों तक तैयारी करता है। वह फॉर्म भरता है, फीस देता है और दूर स्थित परीक्षा केंद्र तक जाता है। फिर भी, उस छात्र के लिए बनी जगह कोई और खरीद लेता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सिर्फ.पेपर लीक नहीं, बल्कि चोरी है। उन्होंने कहा कि यह उस युवा के अधिकारों, रोजी-रोटी और भविष्य की चोरी है। उन्होंने कहा कि मैं उत्तराखंड के हर उम्मीदवार, हर छात्र और हर युवा से कहता हूँ - यह आपकी लड़ाई है और मैं आपके साथ हूँ। 17 जुलाई, देहरादून। आइए, 'छात्रों की गूंज' को एक जबरदस्त आवाज में बदल दें। गांधी ने कहा कि हम भविष्य की नीलामी नहीं होने देंगे। हम सपनों को लीक नहीं होने देंगे। उन्होंने पुष्कर सिंह धामी सरकार द्वारा लागू किए गए नकल-विरोधी कानून पर सवाल उठाते हुए

हम बेताब नहीं हैं...ममता बनर्जी की बागी नेताओं को खुली चुनौती, कहा- बीजेपी के दबाव में जाना है तो जल्द जाएं

नई दिल्ली एजेंसी: तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे जल्द से जल्द ऐसा कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि वह समझ सकती हैं कि भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय बलों का इस्तेमाल करके कई नेताओं पर दबाव बना रही है। उनकी यह प्रतिक्रिया राज्यसभा सदस्य कोएल मल्लिक के इस्तीफे के कुछ घंटों बाद आई है। एक और सांसद BJP में शामिल हो गई हैं। हालांकि, एक एक्टर के तौर पर मैं उनका सम्मान करती हूं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक वीडियो संदेश में कहा कि जो लोग इखढ, एऊ उइक और पुलिस के दबाव में पार्टी छोड़ना चाहते हैं, उनसे मेरी गुजारिश है कि वे जल्द से जल्द चले जाएं। मैंने अभी-अभी संविधान पढ़ा है... हम बेताब नहीं हैं। मल्लिक, जिनका असली नाम रुक्मिणी मल्लिक है, ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात के बाद आज ही उच्च सदन से इस्तीफा दे

दिया। पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में बनर्जी के सत्ता से बाहर होने के बाद, राज्यसभा से इस्तीफा देने वालीं वे पार्टी की चौथी नेता थीं। हालांकि, मल्लिक ने यह नहीं बताया कि उन्होंने राज्यसभा से इस्तीफा क्यों दिया, लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि वह बीजेपी में शामिल हो सकती हैं। 44 साल की एक्टर से नेता बनीं मल्लिक ने अपने इस्तीफे के पत्र में कहा, "मैं राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देती हूँ, जिसे कृपया तुरंत प्रभाव से स्वीकार किया जाए।" उन्होंने कहा, "राज्यसभा सदस्य के तौर पर मेरे कार्यकाल के दौरान मदद और सहयोग के लिए मैं उप-सभापति और राज्यसभा सचिवालय के सभी अधिकारियों का दिल से आभार व्यक्त करती हूँ। मल्लिक से पहले, सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बारिक ने राज्यसभा सदस्य के तौर पर इस्तीफा दिया था और टीएमसी छोड़ दी थी। बाद में, वे बीजेपी में शामिल हो गए और बीजेपी ने उन्हें राज्यसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया। रॉय, देव और बारिक के इस्तीफों ने टीएमसी के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं, क्योंकि पार्टी पहले से ही पश्चिम बंगाल विधानसभा और लोकसभा में बगावत के संकट से जूझ रही है।

आमरण अनशन और कानून: जब आंदोलनकारी की जान पर आ जाए खतरा, तो कब और कैसे हस्तक्षेप कर सकती है सरकार?

नई दिल्ली एजेंसी: सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का आज 19वां दिन है। बीते दिनों दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई। जिसमें सोनम वांगचुक की जान बचाने के लिए सरकार से तुरंत दखल देने की मांग की गई। इस याचिका में अनुरोध किया गया था कि सोनम वांगचुक को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया जाए और अगर जरूरी हो तो उनकी यह भूख हड़ताल जबरदस्ती तोड़कर उन्हें खाना खिलाया जाए। यह भी मांग की गई है कि सरकार को सोनम मांगचूद से बातचीत करनी चाहिए। हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि सोनम वांगचुक की जान बचाने के लिए जो भी मेडिकल मदद जरूरी हो, वह सरकार को करनी चाहिए। चीफ जस्टिस डी.के. उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने कहा कि ज़िंदगी कीमती है और सरकारी डॉक्टरों को वांगचुक की हालत की नियमित रूप से जांच करनी चाहिए। सोनम वांगचुक 28 जून से लगातार भूख हड़ताल पर हैं। अनशन पर हैं और उनके जो समर्थक हैं वो लगातार अब यह कह रहे हैं कि उनकी स्थिति बिगड़ रही है और उनके जो शरीर के सारे पैराटर्स हैं वह खराब हो रहे हैं और अब उनकी जान जा सकती है। इस

घटनाक्रम ने एक बार फिर उस सवाल को चर्चा के केंद्र में ला दिया है जो भारत में कई हाई-प्रोफाइल विरोध प्रदर्शनों के दौरान सामने आता रहा है कि क्या भूख हड़ताल कानूनी रूप से वैध है? क्या कोई व्यक्ति अनिश्चित काल के लिए उपवास करने का विकल्प चुन सकता है? किस मोड़ पर राज्य (सरकार/प्रशासन) इसमें हस्तक्षेप कर सकता है? क्या भूख हड़ताल गैर-कानूनी है? नहीं। भारत में ऐसा कोई कानून

सोनम वांगचुक 28 जून से लगातार भूख हड़ताल पर हैं। अनशन पर हैं और उनके जो समर्थक हैं वो लगातार अब यह कह रहे हैं कि उनकी स्थिति बिगड़ रही है और उनके जो शरीर के सारे पैराटर्स हैं वह खराब हो रहे हैं और अब उनकी जान जा सकती है।

नहीं है जो किसी व्यक्ति को भूख हड़ताल करने से रोकता हो। संविधान नागरिकों को अनुच्छेद और अनुच्छेद 19(1)(b) के तहत बोलने और अपनी बात कहने की आजादी और बिना हथियारों के शांतिपूर्वक इकट्ठा होने का अधिकार देता है। इसलिए, शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन, जैसे कि धरना देना और सांकेतिक उपवास रखना, आम तौर पर संवैधानिक रूप से सुरक्षित गतिविधियाँ हैं। हालाँकि, ये अधिकार असीमित नहीं हैं। सरकार सार्वजनिक व्यवस्था, सुरक्षा, नैतिकता या अनुच्छेद 19 में बताए गए अन्य आधारों पर उचित प्रतिबंध लगा सकती है। क्या 'आरण-अनशन'अलग है? कानूनी रूप से हाँ। हालांकि भूख हड़ताल शुरू करना कोई आपराधिक अपराध नहीं है, लेकिन अधिकारी तब हस्तक्षेप करते हैं जब यह विरोध प्रदर्शन प्रदर्शनकारी के जीवन के लिए एक गंभीर खतरा बनने लगता है। आर्टिकल 21 (अनुच्छेद 21) के तहत सरकार का एक संवैधानिक दायित्व (संवैधानिक कर्तव्य) है, जो जीवन के अधिकार की गारंटी देता है, ताकि जीवन की रक्षा की जा सके। अदालतों ने बार-बार यह व्यवस्था दी है कि यदि किसी का जीवन आसन्न खतरे (तुरंत मंडराते खतरे) में है, तो राज्य (सरकार) एक मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकता। यही कारण है कि अधिकारी अक्सर भूख हड़ताल करने वालों के स्वास्थ्य की निगरानी करते हैं, स्थिति गंभीर होने

संपादकीय

जन्मदर में गिरावट

हाल के वर्षों में भारत की आबादी से जुड़े ट्रेंड में बदलाव देखने को मिला है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत की आबादी से जुड़ा परिदृश्य एक नये दौर में पहुंच रहा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को यह सवाल उठाना पड़ा कि क्या आज भी उन कानूनों की प्रासंगिकता बनी हुई है, जिसके अंतर्गत दो से ज्यादा बच्चे होने पर लोगों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराया जाता रहा है। निश्चित रूप से ह्यदो बच्चोंह्न से जुड़ा यह नियम उस समय बनाया गया था जब देश में तेजी से बढ़ती आबादी चिंता का सबब बनी हुई थी। लेकिन आज जनसंख्या का परिदृश्य तेजी से बदल गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो निकाय चुनावों से जुड़ा अधिक बच्चों वाला नियम अब आबादी के बदलते ट्रेंड से मेल नहीं खाता। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने जिन सवालों को जन्म दिया है, उसकी पुष्टि सरकार की ओर से जारी जनसंख्या संबंधी आंकड़ों से होती है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी झ्ह्यसैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट-2024ह्न शीर्ष अदालत के नजरिये की पुष्टि करती है। रिपोर्ट बताती है कि देश की कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर घटकर 1.9 हो गई है, जो कि 2.1 के ह्यरिप्लेसमेंट लेवलह्न से कम है। देश में उत्तर भारत के छह राज्य- उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड ही रिप्लेसमेंट लेवल से ऊपर हैं। जबकि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली- 1.2, केरल,तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (तीनों में 1.3) में प्रजनन दर देश में सबसे कम है। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में प्रजनन दर अब भी अधिक है। जो आबादी की दर में बदलाव की असमान गति को ही दर्शाता है। इस तरह से जनसंख्या वृद्धि की ये असमानताएं- ह्यसबके लिए एक ही जनसंख्या नीतिह्न की खामियों को ही उजागर करती हैं। इस नीति की प्रासंगिकता व इस दिशा में बदलाव की जरूरत सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सार भी है।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

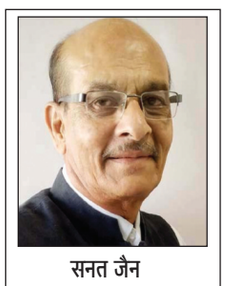

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। गंगा सामने बहती है और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सोनम वांगचुक को नहीं बना पा रहे हैं अन्ना?

सनत जैन

नीट परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद तथा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कह देने के बाद रातों-रात कॉकरोच जनता पार्टी बन गई। करोड़ों लोग उसके सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जुड़ गए। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी पेपर लीक मामले और पर्यावरण को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर में कॉकरोच पार्टी के अभिजीत दिपके के साथ अनशन पर बैठ गए। अनशन स्थल पर कॉकरोच पार्टी ने छात्र संघ के नेताओं को अपने मंच पर नहीं बैठने दिया। उन्हें अलग मंच दिया गया। जिस तरह की आक्रामकता के साथ आंदोलन सरकार और व्यवस्था के खिलाफ होता है, वैसा माहौल जंतर-मंतर में देखने को नहीं मिला। ऐसा लगा, यह एक सरकारी प्रायोजित आंदोलन है। जब युवाओं की भीड़ नहीं जुटी। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को आमरण अनशन की घोषणा करनी पड़ी। आंदोलन में भीड़ नहीं जुट रही थी, भीड़ जुटाने के लिए अन्ना आंदोलन जैसी पुनरावृत्ति की कोशिश की गई। ऐसा लगा कि वांगचुक के अनशन के बाद युवाओं की भारी भीड़ जंतर-मंतर पर एकजुट होगी। जिस तरह से यह आंदोलन शुरू हुआ, प्रारंभ से ही इसकी विश्वसनीयता को लेकर छात्रों और युवाओं को वह विश्वास नहीं हुआ, जो उन्हें होना चाहिए था। सरकार और पुलिस ने जिस तरह से आंदोलनकारी नेता के साथ सहानुभूति बरती। आंदोलन के नाम पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफा और परीक्षाओं में सुधार को लेकर जो आंदोलन शुरू होना था। उसके स्थान पर आंदोलनकारी सरकार के खिलाफ आंदोलन जंतर-मंतर खड़ा करने के स्थान पर विपक्षी दलों पर निशाना साधने लगे। राहुल गांधी अनशन स्थल पर क्यों नहीं आए, विपक्ष के नेता क्यों नहीं आ रहे हैं? विपक्ष के खिलाफ एक मुहिम चलाई गई, जिसने आंदोलन की कलई खोल दी है। कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक दीपके पूर्व में आम आदमी पार्टी से जुड़े रहे हैं। सोनम वांगचुक ने धारा 370 और नई शिक्षा नीति को लेकर सरकार की सराहना की थी। वांगचुक की धर्मेंद्र प्रधान के साथ फोटो भी है। जिसके कारण यह आंदोलन खड़ा होने के पहले ही एक तरह से बिखरने लगा। जंतर-मंतर में जिस तरह से इस आंदोलन को गति मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिल पाई। आंदोलनकारी दिल्ली पुलिस के पैरों में गिरकर गिड़िगडा रहे थे। राहुल गांधी और विपक्ष को जिस तरह से मीडिया द्वारा निशाने पर लिया गया। उससे सारे देश में एक संदेश गया। राहुल गांधी के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ता थे, पुलिस उन पर सख्ती कर रही थी। जो परीक्षा के पेपर लीक होने और शिक्षा व्यवस्था की कमियों को लेकर आंदोलन और प्रदर्शन कर रहे थे। जिस तरह से देश में राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी सरकार के लिए एक चुनौती बने हुए हैं। राहुल गांधी को निशाने पर रखकर सोनम वांगचुक को, अन्ना आंदोलन की तर्ज पर स्थापित करने की कोशिश की गई, वह कोशिश कामयाब होती हुई नहीं दिख रही है। भ्रष्टाचार आंदोलन को लेकर अन्ना आंदोलन से ठगे गए देश के करोड़ों लोग इस आंदोलन पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। युवाओं के बीच में यह संदेश गया, आंदोलनकारी सरकार से लड़ने की बजाय सरकार से निवेदन कर रहे हैं।

18 दिन हो चुके, अभी तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफा की बात को लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है। शिक्षा नीति और पेपर लीक मामले में आंदोलनकारी और सरकार चुप्पी साधे हुए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी अपना मंच छात्र नेताओं के साथ साझा नहीं कर रही है। ऐसी स्थिति में आंदोलन खड़ा होने के पहले ही बिखरता हुआ नजर आया है। सोनम वांगचुक के अनशन को खत्म कराने के लिए सारे विपक्षी दल उनसे निवेदन कर रहे हैं। वह अपना अनशन त्याग दें। राहुल गांधी और विपक्षी दलों के नेताओं ने भी मांगों को समर्थन देते हुए संसद में लड़ाई लड़ने की बात कही है। कांग्रेस पार्टी और उनके कार्यकर्ता पेपर लीक मामले में जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आंदोलन थमा नहीं है। राहुल गांधी स्वयं छात्रों के पास जाकर उनकी बातों को सुन रहे हैं। छात्रों के साथ कोटा और देहरादून में जो संवाद होगा, उसके आधार पर वह संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस सक्रिय रहेंगी। पत्रकारों, संपादकों और शिक्षाविदों के बीच वर्तमान आंदोलन पर एक राय जरूर बनती हुई दिख रही है। जिस तरह से भ्रष्टाचार के मामले में अन्ना आंदोलन खड़ा किया गया था। अन्ना आंदोलन से मनमोहन सरकार विदा हो केन्द्र में मोदी और दिल्ली में केजरीवाल की सरकार बन गई थी। पिछले कुछ वर्षों से राहुल गांधी एकमात्र ऐसे नेता हैं, जो वर्तमान मोदी सरकार के विरोध में खड़े हुए हैं। कॉकरोच पार्टी का यह आंदोलन, विपक्ष को समाप्त करने के लिए एक षड्यंत्र के तहत खड़ा किया जा रहा है? आंदोलन से जुड़े हुए जो लोग हैं, उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए विपक्षी दल इस मंच से दूरी बनाए हुए हैं। कहते हैं, दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है। कुछ यही स्थिति इस आंदोलन की होती हुई दिख रही है। कॉकरोच जनता पार्टी और सोनम वांगचुक को जो लड़ाई सरकार के खिलाफ लड़नी थी, वह सरकार से ना लड़कर विपक्ष के साथ लड़ रहे हैं। जिसके कारण यह आंदोलन भटक गया है। जेन-जी के युवा इस आंदोलन की ओर आकर्षित नहीं हो पा रहे हैं। सोनम वांगचुक को आगे रखकर जेन-जी को भटकाने-अटकाने के लिए इस आंदोलन की जो पटकथा लिखी गई थी, वह अब सफल होती हुई नहीं दिख रही है।

मंदिरों में भ्रष्टाचारः वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

ललित गर्ग

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है।

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है- वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में ह्यसमान मन्दिर दर्शन नीतिह्न लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। ह्यराष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोगह्न जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए। आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा।

हरित ऊर्जा क्रांति का ऐतिहासिक शंखनाद

जींद से दौड़ी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन स्टीम से डीजल,डीजल से विद्युत और अब हाइड्रोजन -भारतीय रेल ने रचा विकास का स्वर्णिम इतिहास...

भारतीय रेल केवल लोहे की पटरियों पर दौड़ने वाली रेलगाड़ियों का विशाल नेटवर्क नहीं है,बल्कि यह भारत की आर्थिक शक्ति,सामाजिक समरसता,राष्ट्रीय एकता और तकनीकी प्रगति का सबसे सशक्त प्रतीक भी है।लगभग डेढ़ सौ वर्षों से अधिक की अपनी गौरवशाली यात्रा में भारतीय रेल ने अनेक ऐतिहासिक पड़ाव पार किए हैं।स्टीम इंजन से प्रारम्भ हुई यह यात्रा डीजल और फिर विद्युत इंजनों तक पहुँची,और अब भारत हरित ऊर्जा के उस नए स्वर्णिम युग में प्रवेश कर चुका है,जहाँ रेलगाड़ियाँ जीवाश्म ईंधन नहीं,बल्कि स्वच्छ हाइड्रोजन ऊर्जा के सहारे आगे बढ़ेंगी।हरियाणा के ऐतिहासिक नगर जींद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाया जाना केवल एक नई रेल सेवा का शुभारम्भ नहीं,बल्कि विकसित भारत,आत्मनिर्भर भारत और हरित भारत के साझा संकल्प का उद्घोष है।यह क्षण भारतीय रेल के इतिहास में उसी प्रकार स्वर्णाक्षरों में अंकित होगा,जैसे कभी पहली रेलगाड़ी के संचालन, राजधानी एक्सप्रेस,शताब्दी, मेट्रो अथवा वंदे भारत ट्रेनों के शुभारम्भ को याद किया जाता है।

जींद का चयन भी अत्यंत प्रतीकात्मक है।हरियाणा का यह नगर केवल एक रेलवे जंक्शन नहीं,बल्कि इतिहास,आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है।महाभारतकालीन परम्पराओं से जुड़े इस क्षेत्र का उल्लेख अनेक ऐतिहासिक संदर्भों में मिलता है।जनश्रुतियों के अनुसार इसका संबंध देवी जयन्ती की आराधना से भी माना जाता है।आज यही भूमि भारत की आधुनिक वैज्ञानिक चेतना और हरित प्रौद्योगिकी के नए अध्याय की साक्षी बन रही है। अतीत की सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की वैज्ञानिक सोच का यह अद्भुत संगम जींद को राष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान प्रदान करता है।रेलवे की दृष्टि से भी जींद का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।उत्तर रेलवे का यह प्रमुख जंक्शन वर्षों से हरियाणा,दिल्ली,पंजाब और राजस्थान को जोड़ने वाला रणनीतिक रेल केंद्र है।बदलते समय के साथ इसका आधुनिकीकरण हुआ और अब यही जंक्शन भारत की हरित रेल क्रांति का प्रारम्भिक केंद्र बन गया है।भारतीय रेल ने पिछले एक दशक में परिवर्तन की ऐसी गति देखी है, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक कठिन थी। वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार, अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन, समर्पित माल गलियारे (ॲ्रीी ऋ्र्ं३ उङ्ग१ॠङ्ग१२),कवच जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली,अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास,लगभग सम्पूर्ण ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण, आधुनिक सिग्नलिंग व्यवस्था तथा डिजिटल यात्री सेवाओं ने रेलवे की कार्यसंस्कृति और छवि दोनों को बदल दिया है।अब हाइड्रोजन ट्रेन इस परिवर्तन यात्रा का अगला और सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव बनकर सामने आई है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक भविष्य के स्वच्छ परिवहन की आधारशिला मानी जा रही है।इस तकनीक में डीजल का उपयोग नहीं होता। ईंधन सेल में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है,जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस पूरी प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन नहीं होता; केवल जलवाष्प निकलती है।यही कारण है कि इसे 'जीरो एमिशन ट्रांसपोर्ट' की दिशा में सबसे प्रभावी तकनीकों में शामिल किया जाता है।यूरोप,जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश पहले से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं।ऐसे समय में भारत का स्वदेशी तकनीक और अपनी इंजीनियरिंग क्षमता के बल पर इस क्षेत्र में प्रवेश करना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में भारत की सक्रिय भागीदारी का संकेत भी है।भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण भारतीय इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और रेलवे तकनीकी विशेषज्ञों की क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है।चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में विकसित इस ट्रेन में अत्याधुनिक हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रणाली स्थापित की गई है। जींद में स्थापित हाइड्रोजन उत्पादन एवं रिफ्यूलिंग अवसंरचना इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल नई तकनीकों का उपभोक्ता नहीं,बल्कि उनका विकास, निर्माण और संचालन करने वाला अग्रणी राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जींद में स्थापित हरित हाइड्रोजन संयंत्र इस परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण आधार है।यहाँ स्थापित एक मेगावाट क्षमता का इलेक्ट्रोलाइजर प्रतिदिन लगभग 420 किलोग्राम हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने में सक्षम है। लगभग 3000 किलोग्राम हाइड्रोजन भंडारण की व्यवस्था तथा आधुनिक रिफ्यूलिंग प्रणाली इस परियोजना को पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाती है।यही मॉडल भविष्य में देश के अन्य रेल मार्गों पर भी विकसित किया जा सकता है।यह परियोजना केवल रेलवे तक सीमित नहीं है।इसके माध्यम से भारत हरित हाइड्रोजन मिशन को व्यवहारिक रूप देने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और ऊर्जा सुरक्षा जैसी चुनौतियों से जूझ रही है,तब स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था भारत को वैश्विक नेतृत्व की नई भूमिका प्रदान कर सकती है।हाइड्रोजन ट्रेनों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इन्हें उन रेलमार्गों पर भी संचालित किया जा सकता है जहाँ विद्युत लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी दृष्टि से कठिन है।इससे दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी पर्यावरण अनुकूल रेल सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकेंगी।साथ ही डीजल पर निर्भरता कम होने से विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ऊर्जा आयात पर निर्भरता भी घटेगी।यह उपलब्धि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की सफलता का भी सशक्त उदाहरण है।जिस तकनीक को कभी केवल विकसित देशों की उपलब्धि माना जाता था,आज वही तकनीक भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के हाथों विकसित होकर भारतीय रेल की पटरियों पर दौड़ रही है।इससे यह संदेश भी जाता है कि भारत अब केवल तकनीक खरीदने वाला देश नहीं, बल्कि नई तकनीकों का निर्माण और निर्यात करने की क्षमता भी विकसित कर रहा है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में रेलवे के आधुनिकीकरण को राष्ट्रीय विकास का महत्वपूर्ण आधार बनाया है। रेलवे के लिए रिकॉर्ड पूंजीगत निवेश,नई उत्पादन इकाइयों का विस्तार, स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा, हरित ऊर्जा का उपयोग तथा यात्री सुविधाओं में व्यापक सुधार उसी दूरदर्शी सोच का परिणाम हैं।हाइड्रोजन ट्रेन इसी परिवर्तनकारी दृष्टि का नवीनतम अध्याय है।इस परियोजना का प्रभाव केवल पर्यावरण या परिवहन तक सीमित नहीं रहेगा।हाइड्रोजन उत्पादन,भंडारण, परिवहन,रखरखाव और अनुसंधान से जुड़े नए उद्योग विकसित होंगे। हजारों कुशल तकनीकी रोजगार सृजित होंगे।विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों में हाइड्रोजन ऊर्जा पर अनुसंधान को नई गति मिलेगी।भारतीय उद्योगों के लिए भी अत्याधुनिक ऊर्जा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे।

हरित ऊर्जा की दिशा में भारत पहले ही सौर, पवन,जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेलवे का इस परिवर्तन का नेतृत्व करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय रेल विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक परिवहन नेटवर्कों में से एक है।यदि इतना विशाल नेटवर्क स्वच्छ ऊर्जा की ओर अग्रसर होता है तो उसका सकारात्मक प्रभाव केवल भारत ही नहीं,बल्कि वैश्विक जलवायु प्रयासों पर भी पड़ेगा।जींद से प्रारम्भ हुई यह यात्रा केवल एक रेलगाड़ी की यात्रा नहीं है।यह उस नए भारत की यात्रा है,जो परम्परा और आधुनिकता,विज्ञान और संस्कृति,विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करते हुए भविष्य की ओर आत्मविश्वास से बढ़ रहा है।स्टीम से डीजल, डीजल से विद्युत और अब हाइड्रोजन तक पहुँची भारतीय रेल की यह विकासगाथा बताती है कि परिवर्तन ही प्रगति का सबसे बड़ा आधार है।निस्संदेह, जींद से दौड़ी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन आने वाले वर्षों में केवल एक तकनीकी उपलब्धि के रूप में नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक क्षण के रूप में याद की जाएगी जब भारतीय रेल ने हरित ऊर्जा क्रांति का शंखनाद किया और विकसित भारत की दिशा में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिख दिया।यह केवल रेलवे की सफलता नहीं,बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं,वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का साकार रूप है। आने वाले समय में जब देश के विभिन्न रेलखंडों पर हाइड्रोजन ट्रेनें नियमित रूप से दौड़ेंगी, तब इतिहास यह अवश्य दर्ज करेगा कि हरित भारत की इस नई यात्रा का प्रथम उद्घोष हरियाणा की पावन धरती जींद से हुआ था।

ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह ने सुनीं क्षेत्रवासियों की समस्याएं, निस्तारण के दिए निर्देश

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गंगेश्वरी ब्लॉक के ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने शुक्रवार को अपने आवास एवं कैंप कार्यालय पर हसनपुर विधानसभा-42 से आए क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं। ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि जनसेवा ही हमारा संकल्प और जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने मौके पर अपनी फरियाद लेकर पहुंचे लोगों की मदद के लिए तुरंत फोन कर अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।राजेंद्र सिंह ने कहा कि क्षेत्र की जनता की सेवा, उनकी समस्याओं का समाधान और विकास के कार्य ही उनकी प्राथमिकता हैं। उन्होंने कहा कि जनता का स्नेह और सहयोग ही उन्हें जनहित में काम करने की प्रेरणा देता है। इस दौरान क्षेत्र के दर्जनों लोगों ने अपनी अपनी समस्याएं ब्लॉक प्रमुख के सामने रखीं।

न्यायालय परिसर में सुरक्षा चेकिंग, डॉग स्क्वायड और स्वॉट टीम ने चलाया अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- दौरान परिसर में आने-जाने वाले न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए शुक्रवार को एएस चेक टीम, डॉग स्क्वायड, स्वॉट टीम और अग्निशमन दल ने संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के संदिग्ध व्यक्ति, वाहनों और वस्तुओं की गहन तलाशी ली गई। न्यायालय आने वाले लोगों से आने-जाने का कारण पूछकर जांच की गई। सुरक्षा टीम ने परिसर में लगे मेटल डिटेक्टर, स्कैनर मशीन, सीसीटीवी कैमरे, DFMD, HHMD और वायरलेस सेट की कार्यशीलता का भी निरीक्षण किया। सीसीटीवी कंट्रोल रूम को भी चेक किया गया। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल भी कराई गई। इसमें आग लगने की स्थिति में बचाव और सुरक्षित निकासी का अभ्यास किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी न्यायालय सुरक्षा के साथ एएस चेक टीम, स्वान दल, स्वॉट टीम और अग्निशमन दल के जवान मौजूद रहे।

नवागंतुक खण्ड शिक्षा अधिकारी उदयवीर सिंह ने किया कार्यभार ग्रहण, शिक्षकों ने किया स्वागत

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास खण्ड गंगेश्वरी स्थित बीआरसी कार्यालय चंदनपुर खादर में नवागंतुक खण्ड शिक्षा अधिकारी उदयवीर सिंह के कार्यभार ग्रहण करने पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, ब्लॉक गंगेश्वरी द्वारा स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संघ के ब्लॉक अध्यक्ष एवं प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह ने किया। इस अवसर पर संघ पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने नवागत खण्ड शिक्षा अधिकारी को फूल-मालाएं पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी उदयवीर सिंह ने कहा कि शिक्षा विभाग की योजनाओं एवं शासन की प्राथमिकताओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित शिक्षकों एवं संघ पदाधिकारियों से विभागीय सूचनाओं एवं ऑनलाइन कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने का आह्वान किया। बैठक के दौरान विद्यालयों में शैक्षिक वातावरण को और बेहतर बनाने, छात्र नामांकन में वृद्धि, शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा शिक्षक-प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक राघवेंद्र सिंह, जिला व्यायाम शिक्षक अनिल कुमार, निवर्तमान एआरपी विकास राहुल, एससीएसटी बेसिक टीचर्स वैलफेयर एसोसिएशन के जिला मंत्री जगवीर सिंह, वरिष्ठ संकुल शिक्षक जयवीर सिंह, गौतम सिंह, प्रमोद कुमार, हरिओम सिंह, बिजेंद्र सिंह,थान सिंह,करणवीर सिंह, कमल दीपेंद्र, जयपाल सिंह, राहुल सागर, फैजान हस्मत आदि उपस्थित रहे।

जौहर विश्वविद्यालय हजारों छात्रों के भविष्य की पहचान, हित सुरक्षित रखे जाएं - इरकान अली

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय लोकदल के युवा जिलाध्यक्ष इरकान अली ने मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय, रामपुर से जुड़े न्यायिक निर्णय पर चिंता व्यक्त की है। इरकान अली ने कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल इमारत नहीं, बल्कि हजारों विद्यार्थियों के भविष्य की पहचान है। उन्होंने कहा कि वर्षों से यह संस्थान शिक्षा, शोध और समाज के वंचित वर्गों को आगे बढ़ाने का माध्यम बना हुआ है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल संविधान, कानून के शासन और न्यायपालिका का सम्मान करता है। साथ ही उनकी मांग है कि न्यायिक प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हो ताकि जनता का विश्वास बना रहे। इरकान अली ने कहा कि उनकी चिंता किसी व्यक्ति विशेष को लेकर नहीं, बल्कि उन हजारों विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के भविष्य को लेकर है जो इस संस्थान से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई कानूनी अनियमितता है तो उसका समाधान कानून के अनुसार हो, लेकिन शिक्षा के मंदिर और छात्रों के भविष्य को अनिश्चितता में नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि विद्यार्थियों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए और ऐसा समाधान निकाला जाए जिससे शिक्षा, संविधान और न्याय तीनों की गरिमा बनी रहे। इरकान अली ने कहा शिक्षा को बचाइए, विद्यार्थियों का भविष्य सुरक्षित रखिए। यही एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक समाज की पहचान है।

समाजसेवी पप्पू भैया ने 85 जरूरतमंद बच्चों को बांटी किताबें और बैग

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के तहसील हसनपुर क्षेत्र के गांव चकफेरी में समाजसेवी पप्पू भैया ने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 85 जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को निशुल्क किताबें और स्कूल बैग वितरित किए। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की मदद करना था। शैक्षिक सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की। ग्रामीणों ने बताया कि पप्पू भैया पिछले 5 वर्षों से लगातार समाजसेवा में सक्रिय हैं। हर वर्ष वे आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को स्कूल ड्रेस, किताबें, बैग, पेन सहित अन्य सामग्री उपलब्ध कराते हैं। उनका उद्देश्य है कि आर्थिक तंगी किसी बच्चे की पढ़ाई में बाधा न बने। समाजसेवा के साथ-साथ वे जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक मदद और बीमार-असहाय लोगों की सहायता भी करते हैं। इस अवसर पर पप्पू भैया ने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि सक्षम लोगों को आगे आकर जरूरतमंद बच्चों की मदद करनी चाहिए ताकि कोई बच्चा संसाधनों के अभाव में पढ़ाई से वंचित न रहे। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्य जारी रखने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में रामपाल सिंह नेताजी, रोहतास कुमार, देव कुमार, हरिश्चंद्र, किरन पाल, भूपराम, लाला सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अमरोहा को सीएम योगी की 207 करोड़ की सौगात, 43 विकास परियोजनाओं का आज करेंगे शिलान्यास व लोकार्पण

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अमरोहा जिले को विकास की एक बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। गजरौला स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में आयोजित एक विशाल जनसभा के मंच से सीएम योगी जिले के लिए 207.492 करोड़ रुपये की लागत वाली कुल 43 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इन महत्वपूर्ण विकास कार्यों में अमरोहा विधानसभा क्षेत्र की कुल 104.35 करोड़ रुपये की 25 परियोजनाएं और धनौरा विधानसभा क्षेत्र की 103.13 करोड़ रुपये की 18 परियोजनाएं शामिल हैं। इन विकास कार्यों के धरातल पर उतरने से जिले में जल निकासी, सुगम परिवहन, आधुनिक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर पूरी तरह से बदल जाएगी। लोक निर्माण विभाग के माध्यम से अमरोहा में यातायात को और अधिक सुगम बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके तहत धनौरा-शेरपुर मार्ग और जाजरू मार्ग पर रामगंगा फीडर चैनल पर क्रमशः 5.980 करोड़ और 5.830 करोड़ रुपये की लागत से नए लघु सेतु का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही कुमराला से चकनवाला बछरॉऊ मार्ग के 10 किलोमीटर हिस्से के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण पर 14.280 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इन विकास कार्यों से सीधे तौर पर किसानों, व्यापारियों और आम राहगीरों को जाम से मुक्ति मिलेगी और उनका सफर सुरक्षित हो सकेगा। नगर विकास विभाग और जल निगम (ग्रामीण) के तहत जिले को स्वच्छ पेयजल और बेहतर जल निकासी की सौगात मिलेगी। अमरोहा नगर पालिका परिषद क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए 18.360 करोड़ रुपये की लागत से अवशेष नाले का निर्माण कार्य होगा। इसके अलावा अमृत 2.0 कार्यक्रम के अंतर्गत जोया में 21.430 करोड़ रुपये की पुनर्गठन पेयजल योजना और 25.07 करोड़ रुपये की कुल 14 अन्य ग्रामीण पेयजल परियोजनाओं का लोकार्पण होगा, जिससे हजारों शहरी व ग्रामीण परिवारों को घर बैठे शुद्ध पीने का पानी मिल सकेगा। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से धनौरा के अहरौला माफी में 24.57 करोड़ रुपये की बड़ी लागत से मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय का निर्माण किया जाएगा, जो ग्रामीण बच्चों को अत्याधुनिक शिक्षा से जोड़ेगा। अल्पसंख्यक विभाग के माध्यम से जोया के सहसपुर अलीनगर में 12.600 करोड़ रुपये से राजकीय महिला आईटीआई का निर्माण होगा, जिससे बेटियों के लिए रोजगारपरक कौशल और शिक्षा की राह आसान होगी। इसके साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने के लिए गजरौला और जोया ब्लॉक में 66-66 लाख रुपये से पब्लिक हेल्थ यूनिट बनाए जाएंगे, वहीं माध्यमिक शिक्षा विभाग के 'प्रोजेक्ट अलंकार' योजना के तहत कई विद्यालयों का कायाकल्प किया जाएगा। जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को मंच से सम्मानित कर उनके सपनों को नई उड़ान देंगे। ग्राम्य विकास विभाग की ओर से गजरौला के कांकाठेर निवासी संगीता को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत घर की चाबी सौंपी जाएगी, तो वहीं अमरोहा की कंचन को सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत ट्रैक्टर-ट्रॉली मिलेगी। मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना से 10-10 लाख रुपये का चेक हासिल कर दीपक कुमार दुग्ध उत्पादन और रिंकू चिकारा मधुमक्खी पालन की शुरूआत करेंगे। इसके अतिरिक्त जाजरू की बेबी को 144 स्वयं सहायता समूहों के लिए दो करोड़ 16 लाख रुपये का सामुदायिक निवेश निधि चेक, सत्यम गोला को प्रिंटिंग मशीन के लिए चेक, गीता को विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत सिलाई मशीन, छात्रा जीविका को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना में लैपटॉप और प्रगतिशील किसान प्रेम सिंह आर्य को किसान ड्रोन के लिए 4.75 लाख रुपये की सब्सिडी का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री के अमरोहा दौरे को लेकर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। तय कार्यक्रम के मुताबिक सीएम योगी दोपहर 12:45 बजे राजकीय हेलीकॉप्टर से गजरौला स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के हेलीपैड पर पहुंचेंगे। वहां से कार द्वारा 12:55 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। दोपहर 1:00 बजे से 2:00 बजे तक वह जनसभा को संबोधित करेंगे और विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे। इसके बाद आधे घंटे का समय आरक्षित रखा गया है। दोपहर 2:35 बजे वह वापस हेलीपैड पहुंचेंगे और 2:40 बजे राजकीय हेलीकॉप्टर के माध्यम से संभल जिले के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

नीट में अलीना शरीफ ने की सफलता हासिल, अफजलगढ़ का बढ़ाया मान

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला नेजो सराय निवासी अलीना शरीफ ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में सफलता हासिल कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। अलीना ने 563 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 27,724 हासिल की है। उनकी सफलता से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। अलीना शरीफ, मोहम्मद हनीफ उर्फ खरे ठेकेदार की पोती, शरीफ अहमद की पुत्री एवं सभासद अब्दुल वाहिद की भतीजी हैं। शुक्रवार को उनके आवास पर परिवारजनों ने मिठाई खिलाकर उनकी सफलता का जश्न मनाया। परिजनों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताया। अलीना शरीफ ने अपनी प्रारंभिक एवं इंटरमीडिएट की शिक्षा नैनीताल कॉन्वेंट स्कूल, अगवानपुर (अफजलगढ़) से पूरी की। इसके बाद उन्होंने देहरादून स्थित आकाश इंस्टीट्यूट से दो वर्ष तक नीट की तैयारी की। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और गुरुजनों के मार्गदर्शन व सहयोग को दिया। अलीना शरीफ की इस उपलब्धि पर पूर्व विधायक शेख सुलेमान,चेयरपर्सन पति जावेद विकार, पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट,पूर्व चेयरमैन नफीस कुरैशी, पूर्व चेयरपर्सन पति शेख इरशाद हुसैन,मेम्बर कलवा कुरैशी, शकील अहमद शेरकोटी, समाजसेवी वलायत हुसैन,चाचा शाहिद हुसैन,चाचा राशिद हुसैन, चाचा जाहिद हुसैन, माता शाइस्ता शरीफ, दादी सायरा बेगम,सभासद मुकीब खान सूरी, शेख इमरोज, दिलशाद ठेकेदार, कादिर अंसारी, रिजवान हसन, रियासतुल्ला, सभासद डॉ. शाहिद हुसैन, समाजसेवी अफजाल ठेकेदार सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया धामपुर रेलवे स्टेशन का वर्चुअल उद्घाटन, आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हुआ स्टेशन

धामपुर/बिजनौर(सब का सपना):- जिले के धामपुर को शुक्रवार को बड़ी सौगात मिली। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्निर्मित धामपुर रेलवे स्टेशन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के जालंधर से वर्चुअल माध्यम से किया। इस दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। धामपुर रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह में धामपुर विधायक अशोक कुमार राणा, एडीआरएम मुरादाबाद परितोष गौतम, ब्लॉक प्रमुख हेमलता क्षमा, नगर पालिका अध्यक्ष रवि चौधरी, रेलवे अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा और स्टेशन के नए स्वरूप का स्वागत किया। पुनर्निर्माण के बाद धामपुर रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए बेहतर प्रतीक्षालय, आधुनिक यात्री सुविधाएं, आकर्षक स्टेशन भवन और सुगम आवागमन की व्यवस्था विकसित की गई है। इससे यात्रियों को पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक और बेहतर यात्रा अनुभव मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रवि चौधरी ने धामपुर की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को उठाते हुए स्टेशन पर कुछ नई ट्रेनों के ठहराव (स्टॉपेज) की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर विधायक अशोक कुमार राणा ने कहा कि केंद्र सरकार रेलवे के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है।

वहीं एडीआरएम मुरादाबाद परितोष गौतम ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन को आधुनिक स्वरूप दिया गया है और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना रेलवे की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा 2026 की तैयारियों की समीक्षा की

गाजियाबाद (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जनपद गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा 2026 की तैयारियों को लेकर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस विभाग एवं संबंधित एजेंसियों के साथ व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारू आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सेवाएं तथा ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर बनाया जाए। बैठक में विशेष रूप से कानून-व्यवस्था बनाए रखने, संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अलर्ट रहने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने कांवड़ियों के लिए बनाए जा रहे शिविरों, विश्राम स्थलों और स्वास्थ्य सुविधाओं का भी जायजा लिया तथा संबंधित विभागों को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था का बड़ा पर्व है और इसमें शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। प्रशासन को पूरी जिम्मेदारी और समन्वय के साथ कार्य करना होगा, ताकि यात्रा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

सीएम योगी के कार्यक्रम को लेकर सम्भल में रूट डायवर्जन, वाहन चालक रखें विशेष ध्यान

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आज जनपद सम्भल में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर पुलिस प्रशासन ने व्यापक ट्रैफिक व्यवस्था लागू की है। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा एवं सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जनपद में अस्थायी रूट डायवर्जन प्लान लागू किया जाएगा। प्रशासन ने वाहन चालकों से निर्धारित मार्गों का पालन करने तथा अनावश्यक असुविधा से बचने की अपील की है। जारी डायवर्जन प्लान के अनुसार बहजोई से सम्भल जाने वाले सभी भारी वाहन चन्दौसी मार्ग से होकर सम्भल जाएंगे। वहीं सम्भल से बहजोई आने वाले भारी वाहनों को भी चन्दौसी होकर ही बहजोई भेजा जाएगा। इसके अलावा रजपुरा की ओर से आने वाला समस्त यातायात फरीदपुर तिराहे से पाठकपुर होकर बहजोई होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचेगा। वहीं बेहटा जय सिंह चौराहे से नवीन पुलिस लाइन की ओर कार्यक्रम में शामिल अधिकृत वाहनों के अलावा किसी भी हल्के या भारी वाहन के प्रवेश पर रोक रहेगी। यातायात व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए प्रशासन ने सम्भल तिराहा (थाना बहजोई), चौधरी सराय चौराहा (थाना सम्भल), फरीदपुर तिराहा, कैलादेवी तिराहा तथा बेहटा जय सिंह चौराहा (थाना बहजोई) को प्रमुख डायवर्जन प्वाइंट बनाया है। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि आज यात्रा करने से पहले डायवर्जन प्लान की जानकारी अवश्य प्राप्त करें और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें, ताकि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

सोनम वांगचुक के समर्थन में संभल में गरजेगी आम आदमी पार्टी, 20 जुलाई को पैदल मार्च

संभल(सब का सपना):- आम आदमी पार्टी (आप) उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता आतिर हुसैन ने बताया कि देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर जंतर-मंतर पर अनशन कर रहे वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद सोनम वांगचुक के समर्थन में 20 जुलाई को पूरे उत्तर प्रदेश में पैदल मार्च और ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में संभल में भी पार्टी द्वारा दो चरणों में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले चरण में दोपहर 2 बजे उनके नेतृत्व में बदायूं दरवाजा से चौधरी सराय चौराहा तक पैदल मार्च निकाला जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष सचिन कुमार एडवोकेट के नेतृत्व में पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपेगा। आतिर हुसैन ने कहा कि लोकतंत्र में जनहित के मुद्दों पर शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से अपनी बात रखना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी युवाओं के भविष्य और जनहित से जुड़े विषयों पर लगातार आवाज उठाती रही है और आगे भी मजबूती से उठाती रहेगी। उन्होंने जनपद के सभी पार्टी कार्यकताओं, युवाओं और जागरूक नागरिकों से अपील की कि वे 20 जुलाई को आयोजित पैदल मार्च और ज्ञापन कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री योगी आज संभल को देंगे 569 करोड़ की विकास सौगात

66 परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास व लोकार्पण, जनसभा में जनता को भी करेंगे संबोधित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज शनिवार, को संभल जनपद के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह जिले को 568.99 करोड़ रुपये की लागत वाली 66 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। इंटीग्रेटेड मुख्यालय भवन के निकट आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने के साथ ही जनता को संबोधित भी करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे जनसभा स्थल पर पहुंचेंगे। यहां वह 500.02 करोड़ रुपये की लागत वाली 54 नई परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे, जबकि 68.96 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुई 12 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इन परियोजनाओं में सबसे बड़ी योजना 300.11 करोड़ रुपये की लागत से 24 कोसीय वंशगोपाल तीर्थ परिक्रमा मार्ग के निर्माण, चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण की है। इसके अलावा बहजोई में 100 बेड के जिला चिकित्सालय के निर्माण पर 63.25 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। साथ ही चंदौसी में नए बस स्टेशन और संभल में रोडवेज डिपो कार्यशाला का भी शिलान्यास किया जाएगा। पर्यटन, शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पर्यटक सुविधा केंद्र, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, कस्तूरबा गांधी छात्रावास सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला रखी जाएगी। वहीं कई प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण, नए विद्यालयों के निर्माण तथा ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण से जुड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण भी होगा।
मुख्यमंत्री के इस दौरे को जिले के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इन परियोजनाओं के शुरू होने से स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, परिवहन और आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी तथा क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा।

कथित टिप्पणी के विरोध में सनातन समाज का प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- मौलाना जर्जिस अंसारी की भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण को लेकर कथित टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार को संभल के शंकर चौराहे पर सनातन समाज के लोगों ने शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपकर मामले में वैधानिक कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि संबंधित टिप्पणी से करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इस प्रकार के सार्वजनिक बयान सामाजिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर, यदि कोई विधि-विरुद्ध कृत्य पाया जाए, तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध प्रचलित कानूनों के अनुसार कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनका विरोध पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किया गया। उनका उद्देश्य धार्मिक भावनाओं के सम्मान और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की मांग उठाना है। धरना-प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपने वालों में राकेश वार्ष्णेय (हरिहर मंदिर पक्षकार), इंजीनियर अमित पवार, महेंद्र स्वामी, कमल दिवाकर, नितिन गुप्ता, तुलसी मानस मंदिर के महंत शंकर लाल , सुनील कुमार सैनी, विनय शर्मा, प्रमुख प्रिंटर सहित बड़ी संख्या में सनातन समाज के लोग शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री से मांग की कि समाज में सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार निष्पक्ष और उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अपर पुलिस अधीक्षक ने चार थानों की लंबित विवेचनाओं की समीक्षा कर दिए सख्त निर्देश

संभल(सब का सपना):- अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत ने शुक्रवार को थाना बबराला, जुनावई, गुन्नौर एवं रजपुरा का निरीक्षण कर लंबित विवेचनाओं और शिकायती प्रार्थना पत्रों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित थानों में अर्दली रूम आयोजित कर विवेचकों के कार्यों का जायजा लिया। समीक्षा के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने लंबित विवेचनाओं एवं शिकायतों के शीघ्र, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सभी विवेचकों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध एवं विधिक प्रक्रिया के अनुरूप निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को त्वरित न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि विवेचनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर लंबित मामलों का निस्तारण कर उसकी नियमित समीक्षा कराएं। साथ ही आमजन की शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ समाधान करने के भी निर्देश दिए।

सम्भल पहुंचे सपा प्रदेश अध्यक्ष, बुलडोजर कार्रवाई और विकास के मुद्दे पर सरकार को घेरा

सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने शुक्रवार को सम्भल दौरे के दौरान पार्टी कार्यकताओं से मुलाकात कर संगठन को मजबूत करने का संदेश दिया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में शोषित और वंचित समाज के लोगों से संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और हर स्तर पर उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। सम्भल पहुंचने पर पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक अकील उर रहमान खां ने अपने पेट्रोल पंप पर प्रदेश अध्यक्ष का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। मीडिया से बातचीत में श्याम लाल पाल ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश और प्रदेश संविधान के अनुसार चलना चाहिए, लेकिन वर्तमान सरकार एकतरफा बुलडोजर की कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि कानून का राज सभी के लिए समान होना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सम्भल दौरे और विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास के संबंध में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार ऐसा कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं कर सकी है, जिससे सम्भल या पूरे प्रदेश के विकास को वास्तविक गति मिली हो। जौहर यूनिवर्सिटी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आजम खां ने बच्चों को शिक्षित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय की स्थापना की थी, लेकिन उसके साथ जिस प्रकार की कार्रवाई हुई, वह सवाल खड़े करती है। कांग्रेस नेता इमरान मसूद द्वारा गठबंधन, अखिलेश यादव और मुस्लिम समाज को लेकर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह उनके व्यक्तिगत विचार हो सकते हैं, गठबंधन की आधिकारिक राय नहीं।
वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी और प्रदेश में सरकार बनाएगी। इस अवसर पर सांसद जावेद अली खां, विधायक पुत्र सुहैल इकबाल, पूर्व जिलाध्यक्ष फिरोज खां, जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी, अरहम अली खां, नाजिर खान, मोहम्मद रफी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा का पीडीए सम्मेलन, अखिलेश सरकार बनाने का कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद की चंदौसी सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की ओर से विशाल पीडीए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल शामिल हुए। कार्यक्रम में बूथ, सेक्टर, जोन और वीएलए स्तर के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकताओं और समर्थकों ने भाग लिया। सम्मेलन स्थल समाजवादी पार्टी के झंडों और नारों से गूंज उठा। अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना लक्ष्य है। इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और गांव-गांव जाकर जनता के बीच पार्टी की नीतियों को पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, किसानों की समस्याओं और संविधान की रक्षा जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि पीडीए समाज की एकजुटता ही आगामी चुनाव में जीत की कुंजी बनेगी और हर कार्यकर्ता कम से कम 10 नए लोगों को पार्टी से जोड़ने का संकल्प ले। जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि समाजवादी पार्टी किसानों, युवाओं, महिलाओं और गरीबों की हितैषी है। वहीं राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने कहा कि सम्मेलन में सभी वर्गों की भागीदारी ने यह साबित कर दिया कि समाजवादी पार्टी सभी जाति और वर्गों की पार्टी है। गुन्नौर विधायक राम खिलाड़ी यादव, बिलारी विधायक फहीम इरफान तथा पूर्व मंत्री अकिल-उर-रहमान सहित कई नेताओं ने भी कार्यकताओं को संबोधित किया। इस दौरान कई लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी तथा संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने किया। सम्मेलन में पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महात्मा विदुर की धरती पर मुख्यमंत्री योगी, 1003 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बिजनौर दौरे के दौरान जनपद को 1003 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने बिजनौर और चांदपुर विधानसभा क्षेत्रों की 75 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने वर्धमान कॉलेज मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और कानून-व्यवस्था, गन्ना भुगतान तथा विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निर्धारित समय के अनुसार हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन पहुंचे और वहां से सड़क मार्ग से वर्धमान कॉलेज मैदान पहुंचे। रास्ते में वरिष्ठ भाजपा नेता ऐश्वर्य चौधरी (मौसम चौधरी) एवं सदर विधायक सुचि चौधरी ने बुलडोजरों से पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया, जिसने लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। सभा स्थल पर मुख्यमंत्री का भगवान शिव की प्रतिमा और गदा भेंट कर स्वागत किया गया। जनसभा में क्या बोले मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले किसान गन्ना भुगतान के लिए वर्षों तक परेशान रहते थे, युवा पलायन को मजबूर थे और व्यापारी भय के माहौल में कारोबार करते थे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने उत्तर प्रदेश को दंगा और अपराध मुक्त बनाने का संकल्प लिया, जिसके परिणामस्वरूप आज प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और धार्मिक आयोजनों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगाया जाता। उन्होंने कहा कि बिजनौर तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज सहित अनेक परियोजनाएं जनपद की तस्वीर बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय सांसद एवं विधायकों के लगातार प्रयासों से जिले को विकास योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने किसानों के हितों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने गन्ना मूल्य बढ़ाकर किसानों को राहत देने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने बिजनौर विधानसभा क्षेत्र की 61 तथा चांदपुर विधानसभा क्षेत्र की 14 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। प्रमुख परियोजनाओं में पानीपत-खटीमा मार्ग का चौड़ीकरण,अमृत 2.0 के तहत पेयजल योजनाएं,महात्मा विदुर मार्ग का चौड़ीकरण,राजकीय नर्सिंग कॉलेज एवं छात्रावास, बिजनौर-मवाना-मेरठ मार्ग का चौड़ीकरण,आईटीआई में नए कक्षों का निर्माण,छोइया नदी पर पुल,विदुर कुटी पर्यटन विकास, मालन नदी पर पुल निर्माण, चांदपुर क्षेत्र में विभिन्न सड़कों का चौड़ीकरण, महिला आईटीआई, एसटीपी एवं इंटरसेप्शन-डायवर्जन परियोजना शामिल रहीं। इसके अलावा 281.62 करोड़ रुपये की लागत से बने महात्मा विदुर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का लोकार्पण भी किया गया। मेडिकल कॉलेज परिसर में निमार्णाधीन नर्सिंग कॉलेज, 100 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक तक चार लेन संपर्क मार्ग और नाले के निर्माण का भी शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय रहा। प्रस्तावित मार्गों की मरम्मत, शहर की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण युद्धस्तर पर कराया गया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के बाद लोगों ने सोशल मीडिया पर इन व्यवस्थाओं की सराहना की, वहीं यह सवाल भी उठाया कि ऐसी सक्रियता केवल वीआईपी दौरों तक ही क्यों सीमित रहती है।
मुख्यमंत्री की सुरक्षा के लिए करीब 1500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। सुरक्षा व्यवस्था में 5 अपर पुलिस अधीक्षक, 14 क्षेत्राधिकारी, 40 थाना प्रभारी, 400 उपनिरीक्षक, 750 पुरुष एवं 164 महिला पुलिसकर्मी लगाए गए। जनसभा स्थल, हेलीपैड, पार्किंग और वीआईपी मार्गों पर विशेष निगरानी रखी गई तथा प्रत्येक व्यक्ति की सघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया।
मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए शहर में व्यापक रूट डायवर्जन लागू रहा। नगीना चक्कर रोड से सेंट मैरी तक वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहा। नजीबाबाद, नगीना और चांदपुर से आने वाले वाहनों को बाईपास एवं मंडावर-बैराज मार्ग से निकाला गया। सेंट मैरी चौराहे से शास्त्री चौक तक केवल वीवीआईपी और वीआईपी वाहनों को ही आवाजाही की अनुमति दी गई। कार्यक्रम के समापन के बाद मुख्यमंत्री पुलिस लाइन पहुंचे और वहां से हेलीकॉप्टर द्वारा गाजियाबाद के मुरादनगर के लिए रवाना हो गए।

मुख्यमंत्री के दौरे और बूथ सम्मेलन को लेकर भाजपा छाबड़ा मंडल की बैठक

चन्दौसी/संभल (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के छाबड़ा मंडल की बैठक शुक्रवार को ग्राम पंचायत सचिवालय बिचेटा में आयोजित हुई। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शनिवार को प्रस्तावित संभल दौरे की तैयारियों की समीक्षा की गई तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। साथ ही 22 जुलाई को होने वाले विधानसभा स्तरीय बूथ सम्मेलन की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मंडल पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं और संगठनात्मक तैयारियों पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा भाजपा के डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। भाजपा जिला मंत्री डॉ. विशाल चौहान ने कार्यकताओं से संगठन की योजनाओं को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी के कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाए और संगठन को मजबूत बनाने में योगदान दे। बैठक में छाबड़ा मंडल अध्यक्ष रामनरेश यादव, मंडल महामंत्री ठाकुर राजेंद्र सिंह, लकी मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रदीप चौहान, ठाकुर बिट्टन सिंह, विजेंद्र सिंह, कमलबीर सिंह, के.पी. पाल सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रेलवे टेंडर घोटाला: अधिकारियों और कंपनी के बीच सांठगांठ का नेटवर्क, सीबीआई ने कोर्ट में पेश किए सबूत

नई दिल्ली। रेलवे टेंडर में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान सीबीआइ ने अदालत में दावा किया कि गोपनीय टेंडर सूचनाएं रिश्वत के बदले निजी कंपनी तक पहुंचाई जा रही थीं। सीबीआइ का दावा है कि इस नेटवर्क के जरिए टेंडर प्रक्रिया से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पहले ही कंपनी तक पहुंचाई जाती थी और बदले में रेलवे अधिकारियों को अवैध भुगतान किया जाता था। मामले की जांच के दौरान एजेंसी ने ट्रैप कार्रवाई कर एक लाख रुपये बरामद करने का भी दावा किया है। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) मुनीष मरकन के समक्ष सीबीआइ ने दावा किया कि निजी कंपनी मेश इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े आरोपित मोहम्मद शारिक अली अपने सहयोगी एजाज अली के निर्देश पर रेलवे अधिकारियों तक रिश्वत पहुंचाते थे। एजेंसी का आरोप है कि सह-आरोपित लेनिन शर्मा और कुछ अन्य रेलवे अधिकारियों के माध्यम से टेंडर प्रक्रिया से जुड़ी गोपनीय एवं मूल्यवान सूचनाएं रिश्वत के बदले हासिल की जाती थीं। इन सूचनाओं का इस्तेमाल कंपनी को टेंडर प्रक्रिया में अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए

किया जाता था। सीबीआइ ने अदालत में कहा कि आरोपितों के बीच हुई चैट और अन्य संचार से इस नेटवर्क के संकेत मिले हैं। एजेंसी का यह भी दावा है कि उत्तरी रेलवे के अधिकारियों ने कंपनी को भरोसा दिलाया था कि या तो टेंडर उसी को मिलेगा या फिर कम से कम 50 प्रतिशत आपूर्ति उसी से कराई जाएगी। इसके बदले रिश्वत देने की बात हुई थी। एजेंसी के अनुसार, तीन जुलाई को बिछाए गए ट्रैप के दौरान उत्तरी रेलवे के चीफ मैटेरियल्स मैनेजर (स्टोर्स) नरेंद्र सिंह के कार्यालय बैग से एक लाख रुपये बरामद किए गए। साथ ही आरोप है कि मोहम्मद शारिक अली ने सह-आरोपित लेनिन शर्मा को भी 50 हजार रुपये दिए थे। हालांकि, बचाव पक्ष ने इन आरोपों से इन्कार करते हुए कहा कि संबंधित टेंडर जेम पोर्टल के माध्यम से पूरी तरह आनलाइन प्रक्रिया से आवंटित हुआ था, इसलिए उसमें मानवीय हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं थी। उनका कहना था कि आरोपित गुणवत्ता परीक्षण और अन्य औपचारिकताओं के लिए रेलवे कार्यालय गए थे, रिश्वत देने के लिए नहीं। मामले की सुनवाई के दौरान विशेष सीबीआइ अदालत ने नरेंद्र सिंह व मोहम्मद शारिक अली को सशर्त जमानत दे दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसके आदेश में की गई टिप्पणियां मामले के अंतिम गुण-दोष पर कोई राय नहीं हैं और जांच व ट्रायल कानून के अनुसार आगे जारी रहेंगे।

दिल्ली वाले ध्यान दें! डीडीए के फ्लैट खरीदने का शानदार मौका, डीटीयू में कब तक होंगे पंजीकरण?

नई दिल्ली। अगर आप राजधानी दिल्ली में रहते हैं तो आपके लिए यह खबर बहुत काम आएगी। जहां दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने फ्लैट योजना के लिए आवेदन की तारीख बढ़ा दी तो वही डीटीयू में पंजीकरण के लिए भी पंजीकरण की तारीख 30 जुलाई तक हो गई है। ऐसी ही और जानकारी के लिए आगे पढ़िए-डीडीए के फ्लैट के लिए करें बुकिंग दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दिल्ली वालों के लिए सस्ते दाम में फ्लैट खरीदने के लिए एक योजना निकाली हुई है। इस योजना के लिए आप 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, डीडीए ने आवेदन की तारीख बढ़ाई है। नागरिक आवास योजना के तहत नरेला और सिरसपुर में एचआईजी, एमआईजी, एलाईजी और ईडब्ल्यूएस फ्लैट बुक करा सकते हैं। आप नरेला में बने 1944 फ्लैट्स और कड़कड़डूमा की टावरिंग हाइट्स में भी फ्लैट बुक करा सकते हैं। रेलगाड़ी की अवधि बढ़ाई रेलवे ने आनंद विहार से पूर्णिया कोर्ट के बीच चलने वाली विशेष रेलगाड़ी को लेकर कुछ बदलाव किया है। रेलवे ने रेलगाड़ी की अवधि को 2 अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया है। यह रेलगाड़ी हर शुक्रवार और रविवार को आनंद विहार आएगी। इसके अलावा हर रविवार और मंगलवार को यह रेलगाड़ी आनंद विहार टर्मिनल से पुर्णिया कोर्ट पहुंचेगी। 30 जुलाई तक करेंगे पंजीकरण दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीडीए) में बीएससी-एमएससी के सात इंटीग्रेटेड कोर्स में ऑनलाइन पंजीकरण 30 जुलाई तक होंगे। दाखिले सीयूईटी स्कोर से होंगे। इन कोर्सों के लिए कर सकते हैं पंजीकरण 1. मैथ्स 2. फिजिक्स 3. बायोटेक्नोलॉजी 4. केमिस्ट्री 5. डेटा साइंस 6. अप्लाइड स्टैटिस्टिक्स 7. इकोनॉमिक्स

सीट आवंटन के बाद दस्तावेज सत्यापन शुरू, एक छोटी सी गलती से रद हो सकता है आपका आवेदन

नई दिल्ली। डीयू में स्नातक दाखिले के पहले चरण की सीट आवंटन सूची जारी होने के बाद अब विद्यार्थियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण चरण दस्तावेज सत्यापन का है। हर वर्ष बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के दाखिले में देरी या आवेदन निरस्त होने की वजह दस्तावेजों में छोटी-छोटी गलतियां होती हैं। ऐसे में अभ्यर्थियों को सभी प्रमाणपत्रों की सावधानीपूर्वक जांच कर ही उन्हें अपलोड करना चाहिए। दस्तावेज सत्यापन के दौरान सबसे आम गलती गलत या धुंधले दस्तावेज अपलोड करना है। कई विद्यार्थी मोबाइल से जल्दबाजी में फोटो खींचकर अपलोड कर देते हैं, जिससे विवरण स्पष्ट नहीं दिखता। इसके अलावा नाम, जन्मतिथि या माता-पिता के नाम में दसवीं की अंकतालिका और अन्य प्रमाणपत्रों के बीच अंतर होने पर भी समस्या आ सकती है। जाति, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी-एनसीएल श्रेणी के विद्यार्थियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका प्रमाणपत्र निर्धारित प्रारूप और वैध अवधि का हो। कई बार राज्य सरकार का प्रमाणपत्र या पुराना प्रमाणपत्र अपलोड करने से सत्यापन अटक जाता है। इसी तरह आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के अभ्यर्थियों को भी नवीनतम प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए। विद्यार्थियों को अपने सीयूईटी आवेदन और डीयू के सीएसएएस पोर्टल पर भरी गई जानकारी का मिलान भी कर लेना चाहिए। विषय, श्रेणी या व्यक्तिगत विवरण में अंतर मिलने पर कालेज अतिरिक्त स्पष्टीकरण मांग सकता है। कई छात्र आवश्यक दस्तावेज जैसे चरित्र प्रमाणपत्र, पासपोर्ट आकार का फोटो, हस्ताक्षर या माइग्रेशन प्रमाणपत्र समय पर तैयार नहीं रखते, जिससे प्रक्रिया प्रभावित होती है। डीयू प्रवेश डीन हनीत गांधी का कहना है कि विद्यार्थी प्रवेश पोर्टल पर नियमित रूप से अपडेट देखते रहें और कालेज से मिलने वाले प्रत्येक संदेश पर समय रहते कार्रवाई करें। थोड़ी-सी सावधानी से दाखिले की पूरी प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के पूरी की जा सकती है। दस्तावेज सत्यापन में होने वाली 10 बड़ी गलतियां धुंधले या अधूरे दस्तावेज अपलोड करना। नाम, जन्मतिथि या अन्य विवरण में अंतर होना। गलत श्रेणी का प्रमाणपत्र अपलोड करना। पुराने या अमान्य ओबीसी-एनसीएल-ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र का उपयोग। सीयूईटी और सीएसएएस में अलग-अलग जानकारी भरना। आवश्यक प्रमाणपत्र समय पर उपलब्ध न रखना। गलत प्रारूप या निर्धारित आकार से अलग फाइल अपलोड करना। कॉलेज की ओर से मांगे गए स्पष्टीकरण का समय पर जवाब नहीं देना। निर्धारित समय सीमा के भीतर दस्तावेज सत्यापन पूरा न करना। सत्यापन के बाद समय पर फीस जमा न करना।

दिल्ली सरकार का हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर, शकूरपुर से 45 नए 'आयुष्मान आरोग्य मंदिरों' की शुरूआत; 1100 का है टारगेट

नई दिल्ली। दिल्ली के नागरिकों को उनके घर के बिल्कुल समीप उत्कृष्ट और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में दिल्ली सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने शकूरपुर से 45 नए 'आयुष्मान आरोग्य मंदिरों' का विधिवत उद्घाटन किया। इस पहल के साथ ही दिल्ली सरकार ने हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं पहुँचाने की अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराया है। दिल्ली में अब 415 से अधिक आरोग्य मंदिर संचालित इन 45 नए केंद्रों के उद्घाटन के बाद, राजधानी में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले आयुष्मान आरोग्य मंदिरों

की कुल संख्या बढ़कर 415 के पार पहुँच गई है। सरकार राज्यभर में स्वास्थ्य ढांचे को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 1,100 से अधिक ऐसे केंद्र स्थापित करने के अपने बड़े लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। मोहल्ले में ही मिलेंगी कई मुफ्त सुविधाएं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का मुख्य उद्देश्य हर पड़ोस में पूरी तरह से मुफ्त और आसानी से सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना है। इन अत्याधुनिक स्वास्थ्य केंद्रों पर नागरिकों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं: मातृ एवं शिशु देखभाल: महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए विशेष चिकित्सा सुविधाएं। टीकाकरण बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक टीकों की उपलब्धता। मुफ्त दवाइयां: मरीजों के लिए सभी आवश्यक दवाइयों का निःशुल्क वितरण। 80+ मुफ्त डायग्नोस्टिक टेस्ट: स्वास्थ्य जांच के लिए 80 से अधिक प्रकार के मुफ्त टेस्ट की सुविधा।
मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उठाया गया यह कदम दिल्ली के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को नई दिशा देने और आम जनता को इलाज के भारी खर्चों से राहत दिलाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

एक राष्ट्र एक चुनाव पर सीईसी ज्ञानेश कुमार का बड़ा बयान- संविधान में अभी प्रावधान नहीं, लोगों का भरोसा है बरकरार

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने 'एक देश, एक चुनाव' को लेकर स्पष्ट किया कि वर्तमान में भारतीय संविधान में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पूरी तरह संविधान के अनुसार कार्य करता है और उसके दायरे से बाहर जाकर कोई कदम नहीं उठा सकता। ज्ञानेश कुमार ने कहा, 'फिलहाल संवैधानिक व्यवस्था में 'एक देश, एक चुनाव' का कोई प्रावधान नहीं है। चुनाव आयोग संविधान पर चलता है, उससे इतर नहीं।' उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदान प्रतिशत में हुई बढ़ोतरी का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार, मतदान प्रतिशत में आया उल्लेखनीय उछाल इस बात का प्रमाण है कि निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया पर मतदाताओं का पूरा भरोसा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारत की चुनावी व्यवस्था दुनिया की सबसे पारदर्शी और मजबूत व्यवस्थाओं में से एक है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि दुनिया के करीब 40 देशों के प्रतिनिधि भारत आते हैं और मतदाता सूची तैयार करने से लेकर मतदान और मतगणना तक की पूरी चुनावी प्रक्रिया का अध्ययन करते हैं। उन्होंने मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बताते हुए कहा कि इसमें विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी होती है। ऐसे में इस प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना उचित नहीं है। भारत के मजबूत निर्वाचन प्रणाली और चुनाव आयोग की व्यवस्था पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि इसे आप इस तथ्य से समझने की कोशिश करें कि दुनिया के कई ऐसे देश जहां मतदान अनिवार्य है, नहीं देने पर जुमार्ने का प्रविधान है वहां मतदान का प्रतिशत हमारे राज्यों के मतदान के प्रतिशत से भी कम हैं। वहां लोग जुमार्ना देना पसंद करते हैं बजाय वोट देने के लेकिन अपने यहां लोगों को हमपर पूरा भरोसा है।

दिल्ली में अब थर्ड-पार्टी ऑडिटर्स जारी करेंगे फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट, कितनी होगी अधिकतम फीस?

नई दिल्ली। राजधानी में फायर सेफ्टी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए दिल्ली सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इमारतों और परिसरों के लिए फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट (एफएससी) जारी करने वाले थर्ड-पार्टी फायर सेफ्टी ऑडिटर्स के पंजीकरण और पैनल में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिल्ली अग्निशमन विभाग ने इस संबंध में आवेदन आमंत्रित करते हुए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब तक फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट केवल अग्निशमन विभाग जारी करता था, लेकिन हाल के महीनों में राजधानी में हुई कई बड़ी अग्निकांड घटनाओं, विशेषकर हौज रानी स्थित होटल में आग लगने से 22 लोगों की मौत के बाद सरकार ने व्यवस्था में बदलाव का फैसला लिया है। पिछले महीने अधिसूचित डीएफएस संशोधन नियम-2025 के तहत अब

योग्य और अनुभवी फायर सेफ्टी ऑडिटर्स को अधिकृत किया जाएगा। नियमों के अनुसार, ऑडिटर्स को योग्यता और अनुभव के आधार पर तीन श्रेणियों (एल-1, एल-2 और एल-3) में पंजीकृत किया जाएगा। बीई/बीटेक (फायर सेफ्टी), नेशनल फायर सर्विस कॉलेज, नागपुर से सब-आफिसर कोर्स, सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रानिक्स या आर्किटेक्चर में डिग्री और फायर एंड लाइफ सेफ्टी आडिट में पीजी डिप्लोमा जैसी योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। साथ ही एक से दस वर्ष तक का संबंधित अनुभव भी अनिवार्य होगा। तीन वर्ष के लिए मान्य रहेगा पंजीकरण एल-1 और एल-2 ऑडिटर 15 मीटर से कम ऊंचाई वाली इमारतों का निरीक्षण कर फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट जारी कर सकेंगे, जबकि एल-3 श्रेणी के ऑडिटर सभी प्रकार की इमारतों और परिसरों के लिए अधिकृत होंगे। पंजीकरण तीन वर्ष के लिए मान्य रहेगा। इसके लिए पंजीकरण शुल्क एल-1 के लिए 10 हजार, एल-2 के लिए 20 हजार और एल-3 के लिए 30 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। ऐसे करेंगे काम नियमों के तहत भवन मालिक या कब्जाधारी डीएफएस पोर्टल पर उपलब्ध पैनल से ऑडिटर का चयन करेगा। ऑडिटर निरीक्षण के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा और निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए जाने पर फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट जारी करेगा। ऑडिटर अपनी सेवाओं के लिए भवन मालिक से शुल्क ले सकेगा। यह शुल्क एल-1 के लिए 10 हजार से 50 हजार, एल-2 के लिए 35 हजार से 90 हजार और एल-3 के लिए 63 हजार से लेकर अधिकतम पांच लाख रुपये तक होगा। शुल्क भवन की ऊंचाई, निर्मित क्षेत्र, उपयोग और फायर सेफ्टी सिस्टम की जटिलता के आधार पर तय किया जाएगा।

दिल्ली में 5 साल की सबसे गर्म रात, न्यूनतम तापमान ने तोड़ा रिकॉर्ड; मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

नई दिल्ली। मानसून की वर्षा नहीं होने से उमस भरी गर्मी बनी हुई है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.8 डिग्री अधिक 31 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। यह वर्ष 2021 के बाद सबसे अधिक है। यानी कि पांच वर्षों में सबसे अधिक गर्म रात रही है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। दिन में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार व शनिवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। दिन और रात दोनों वक्त मौसम गर्म पिछले कई दिनों से उमस भरी गर्मी हो रही है। अधिकतम के साथ ही न्यूनतम तापमान भी बढ़ रहा है। यानी दिन व रात दोनों गर्म हो रहे हैं। बृहस्पतवार को अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस था लेकिन महसूस किया जाने वाला तापमान 48.0 डिग्री तक चला गया। शुक्रवार को दोपहर और शाम में कुछ स्थानों पर 40 किमी प्रति घंटे तक की गति से तेज हवा के साथ गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने और हल्की वर्षा होने का पूवार्नुमान है। शनिवार को भी इसी तरह का मौसम बना रहेगा।

पुलिस हिरासत से प्रेम प्रसंग का आरोपी फरार, मंडावली थाना प्रभारी लाइन हाजिर

बिजनौर (सब का सपना):- मंडावली थाना परिसर से पुलिस हिरासत में रखा गया एक युवक फरार हो जाने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। घटना को गंभीर लापरवाही मानते हुए पुलिस अधीक्षक अभिषेक ने तत्काल प्रभाव से मंडावली थाना प्रभारी राकेश कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है। जानकारी के अनुसार, प्रेम प्रसंग के चलते घर से फरार हुई एक युवती के मामले में पुलिस ने उसके कथित प्रेमी नितिन कश्यप को हिरासत में

लिया था। इसी दौरान पुलिस टीम युवती के बयान दर्ज कराने के लिए बिजनौर गई हुई थी। मौके का फायदा उठाकर आरोपी नितिन कश्यप थाना मंडावली से पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। आरोपी के फरार होने की सूचना मिलते ही थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई। पुलिसकर्मियों ने आसपास के क्षेत्रों और जंगलों में कई घंटों तक उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका।
घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अभिषेक ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मंडावली थाना प्रभारी राकेश कुमार को लाइन हाजिर कर दिया। वहीं फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। फिलहाल पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

दिल्ली चिड़ियाघर में कोबरा का संरक्षण खतरे में, प्रजनन भी प्रभावित; कुनबा बढ़ने के बाद क्यों टूट रहीं उम्मीदें?

नई दिल्ली। चिड़ियाघर का रेप्टाइल हाउस देश में लुप्तप्राय सांपों के संरक्षण का अहम केंद्र माना जाता है, लेकिन यहां वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप देखभाल नहीं होने से सांपों की सक्रियता, स्वास्थ्य और प्रजनन पर गंभीर असर पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार, छह-छह माह तक रेप्टाइल हाउस बंद रखना, प्राकृतिक आवास जैसी व्यवस्था का अभाव और प्रशिक्षित स्टाफ की कमी के कारण कोबरा, राक पाइथन और सैंडबोआ जैसी दुर्लभ प्रजातियां सुस्त होती जा रही हैं। हालात ऐसे हैं कि कुछ सांपों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तक नहीं हो पा रहा और दो सैंडबोआ का लिंग (नर या मादा) तक वर्षों बाद भी दर्ज नहीं किया जा सका है। देश्य केवल प्रदर्शन नहीं दिल्ली चिड़ियाघर के रेप्टाइल हाउस में वर्तमान में कोबरा, धामिन, रॉक पाइथन, सैंडबोआ और रेड सैंडबोआ सहित पांच प्रजातियों के सांप रखे गए हैं। इनका उद्देश्य केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि संकटग्रस्त प्रजातियों का संरक्षण और प्रजनन भी है। हालांकि, चिड़ियाघर से जुड़े सूत्रों का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था इन उद्देश्यों पर खरी नहीं उतर रही। सूत्रों के मुताबिक, वर्ष 2016 से हर साल अक्टूबर से मार्च तक रेप्टाइल हाउस को लगभग छह महीने के लिए बंद कर दिया जाता है। तर्क यह दिया जाता है कि सर्दियों में सांप हाइबरनेशन जैसी अवस्था में चले जाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली की जलवायु इतनी कठोर नहीं होती कि इतनी लंबी अवधि तक प्रदर्शनी बंद रखने की जरूरत पड़े। देहरादून और चंडीगढ़ जैसे अधिक ठंडे शहरों के चिड़ियाघरों में भी इतनी लंबी बंदी नहीं रखी जाती। वरिष्ठ अधिकारी ने क्या बताया? एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लंबे समय तक एक ही बंद वातावरण में रहने से सांपों की सक्रियता प्रभावित होती है। रेप्टाइल हाउस दोबारा खुलने के बाद भी कई महीनों तक वे सुस्त बने रहते हैं। यही कारण है कि कई बार दर्शकों को कोबरा और अन्य सांप घंटों एक कोने में बिना हरकत किए पड़े दिखाई देते हैं। कई सांप तो अपने फन तक नहीं उठाते, जिससे लोग यह तक समझ नहीं पाते कि वे जीवित हैं या नहीं। प्राकृतिक आवास जैसा माहौल नहीं सूत्रों के अनुसार, रेप्टाइल हाउस का अधिकांश फर्श सीमेंट का बना है, जबकि सांपों के लिए प्राकृतिक मिट्टी, सूखी पत्तियां और जैविक परत वाला वातावरण जरूरी माना जाता है। इससे वे अपने स्वाभाविक व्यवहार जैसे छिपना, शरीर का तापमान नियंत्रित करना और शिकार की मुद्रा बनाना बेहतर ढंग से कर पाते हैं। मौजूदा व्यवस्था में यह सब संभव नहीं हो पा रहा। चिड़ियाघर में वर्षों तक सांपों की देखभाल करने वाले अनुभवी सपेरे एक-एक कर सेवानिवृत्त हो चुके हैं। अब केवल एक प्रशिक्षित सपेरा बचा है।

डीयू छात्रसंघ चुनाव के लिए सख्त गाइडलाइंस जारी, इन नियमों का पालन नहीं करने पर रद होगा नामांकण

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव 2026 को निष्पक्ष और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रचार-प्रसार को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर प्रो. मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रॉक्टर कार्यालय में डूसू पदाधिकारियों और विभिन्न छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में चुनाव प्रचार के नियमों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में स्पष्ट किया गया कि दिल्ली हाई कोर्ट और लिंगदोह समिति की सिफारिशों के अनुरूप चुनाव कराए जाएंगे। प्रॉक्टर ने बताया कि चुनाव के दौरान कैंपस और उसके आसपास किसी भी प्रकार के प्रिंटेड पोस्टर, बैनर, फ्लेक्स या होर्डिंग लगाने की अनुमति नहीं होगी। केवल विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित वाल आफ डेमोक्रेसी पर हाथ से बनाए गए पोस्टर ही लगाए जा सकेंगे। दीवारों पर ब्लाक प्रिंटिंग, स्प्रे पेंटिंग या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी गतिविधि पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा कि

एमसीडी के विज्ञापन बोर्डों पर भी किसी प्रकार का चुनावी प्रचार नहीं किया जा सकेगा। यदि ऐसा पाया गया तो संबंधित उम्मीदवार के खिलाफ कार्रवाई के लिए एमसीडी आयुक्त को सूचित किया जाएगा। चुनाव प्रचार के दौरान उम्मीदवार अधिकतम पांच वाहनों का ही उपयोग कर सकेंगे। इन चीजों के इस्तेमाल पर रहेगी रोक ट्रैक्टर, जेसीबी, पशुओं, बिना नंबर प्लेट या काले शीशों वाले वाहनों के इस्तेमाल पर रोक रहेगी। उम्मीदवार के नाम वाले स्टिकर, उपहार, कैनोपी, छाते या अन्य प्रचार सामग्री बांटने अथवा लगाने की अनुमति नहीं होगी। ऐसे मामलों में उम्मीदवार का नामांकन तक रद किया जा सकता है। प्रॉक्टर ने कहा कि सार्वजनिक सभाओं के आयोजन की पूर्व सूचना प्राक्टर कार्यालय को देना अनिवार्य होगा, ताकि परिसर में अव्यवस्था और यातायात बाधित न हो। कालेजों में प्रचार के लिए एक बार में केवल पांच विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा, जबकि छात्राओं के हास्टल में केवल छात्राओं को ही प्रचार की अनुमति होगी। उन्होंने बताया कि सभी छात्र संगठनों ने इन नियमों का पालन करने और शांतिपूर्ण चुनाव कराने में सहयोग का भरोसा दिया है। विश्वविद्यालय में डूसू चुनाव की आचार संहिता पहले से लागू है।

जटपुरा में मकान में घुसकर आभूषण व नगदी चोरी

अहार (बुलंदशहर (सब का सपना):- थाना अहार पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि,रात के समय अज्ञात चोर दीवार कूदकर घर घुसे।उस समय पुत्र दीपक व पुत्रवधू मानसी कमरे में सोये हुए थे।चोरो ने दोनो को बेहोश कर दिया और सक्शे आलमारी सूटकेस आदि के ताले तोडकर,,सोने की अंगूठियां, एक सोने की गले की चैन,कंठी व बीस हजार रुपए नगद,एक गैस सिलेंडर और एक इंडक्शन चूल्हा चुराकर ले गये। सुबह परिवार के लोग जागे तो सामान बिखरा देखा तों चोरी होने का पता चला।खबर लगने पर ग्रामीणों की भीड जमा हो गई।। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस से अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। थाना प्रभारी अहार नीरज शर्मा ने बताया कि दी गई तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है, शीघ्र ही घटना का खुलासा कर अज्ञात चोरों को कानून के होने का एहसास दिला दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री योगी के आगमन की तैयारियों को लेकर विधायक ने की बैठक

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद आगमन को लेकर सिकंदराबाद विधायक लक्ष्मी राज सिंह ने विधानसभा कार्यालय पर भाजपा मंडल अध्यक्षों, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। साथ ही कार्यकताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपते हुए कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री का आगमन क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, इसलिए सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री से मिले परम डेयरी के अधिकारी, डेयरी विकास पर हुई चर्चा

बुलन्दशहर (सब का सपना):- परम डेयरी के सीएमडी राजीव कुमार, निदेशक संजीव कुमार एवं उप निदेशक अभिषेक गौड़ ने गुरुवार को लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान डेयरी क्षेत्र के विकास, किसानों व पशुपालकों के हित में संचालित योजनाओं तथा भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने डेयरी क्षेत्र में किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। प्रतिनिधिमंडल ने सरकार की डेयरी विकास संबंधी नीतियों के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया।

भूजल सप्ताह पर हृदयपुर में जल चौपाल, तालाब संरक्षण और वृक्षारोपण का संदेश

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भूजल सप्ताह-2026 के दूसरे दिन शुक्रवार को सिकंदराबाद विकासखंड के ग्राम हृदयपुर में भूगर्भ जल विभाग, ग्राम पंचायत हृदयपुर एवं अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में जल चौपाल, भूजल गोष्ठी और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जीर्णोद्धार किए गए तालाब पर ग्रामीणों और विद्यार्थियों को भूजल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा तालाबों की स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई। ग्राम प्रधान जीत सिंह ने तालाब को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में नोडल अधिकारी राहुल देव शर्मा ने सभी उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

अचानक हुई तेज बरसात से मौसम हुआ सुहाना

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- शुक्रवार को दोपहर बाद अचानक हुई तेज बरसात से उमस भरी गर्मी से राहत मिली वही मौसम भी सुहाना हो गया।बताते चलें कि काफी दिन से पड रही भंयकर उमस भरी गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर रखा था,दिन निकलते ही सूर्य देवता भंयकर गर्मी फैला रहे थे जिससे लोगों का घरों से भी निकलना दूभर हो रहा था। भंयकर गर्मी के कारण सरकारी और गैर-सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही थी। शुक्रवार को अचानक हुई तेज बरसात से जन जन को राहत पहुची है। गर्मी भी दूर हो गई है,लोग शाम के समय गर्मी से निजात पाने को रास्तों पर गूमते नजर आते थे लेकिन अब ठंडी हवा खाने के लिए लोग सड़कों पर घूमते नजर आ रहे हैं।

सीएम दौरे से पहले कांग्रेस नेताओं को नजरबंद करने पर बवाल, सतीश शर्मा बोले लोकतंत्र की आवाज दबाना दुर्भाग्यपूर्ण

गाजियाबाद (सब का सपना):- प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद आगमन के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी, गाजियाबाद द्वारा उठाए गए विरोध और नेताओं की नजरबंदी को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेताओं ने पुलिस प्रशासन पर लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन का आरोप लगाया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सतीश शर्मा ने बताया कि कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिलकर गाजियाबाद की प्रमुख जनसमस्याओं को उनके समक्ष रखना चाहता था। लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने कांग्रेस कार्यालय को चारों ओर से घेर लिया और सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को अंदर ही रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई नेताओं को उनके घरों और अन्य स्थानों पर नजरबंद (हाउस अरेस्ट) किया गया। पूर्व मंत्री सतीश शर्मा को उनके आवास पर ही रोक दिया गया, वहीं लोनी शहर अध्यक्ष अजय शर्मा को लोनी क्षेत्र में हिरासत में लिया गया। इसके अलावा रिंकू माथुर को महानगर कांग्रेस कार्यालय में रोका गया, सुनील शर्मा को मोदीनगर में हाउस अरेस्ट किया गया तथा दिनेश मेहता को भी नजरबंद रखा

गया।सतीश शर्मा ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या के समान है। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दिए गए संवैधानिक अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण विरोध और जनप्रतिनिधियों के अधिकारों का खुलेआम उल्लंघन किया गया है।उन्होंने आगे कहा कि यदि सरकार जनता के हित में कार्य कर रही होती तो विपक्ष की आवाज सुनने से नहीं डरती। कांग्रेस कार्यकर्ता केवल जनहित के मुद्दों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाना चाहते थे, लेकिन सरकार ने पुलिस का सहारा लेकर उन्हें रोक दिया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि प्रदेश सरकार जनता के बढ़ते आक्रोश से घबराई हुई है और इसी कारण दमन की राजनीति अपना रही है। पुलिस के जरिए विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास इस बात का संकेत है कि सरकार जनभावनाओं का सामना करने में असमर्थ हो रही है। जिला कांग्रेस कमेटी, गाजियाबाद ने इस पूरे घटनाक्रम की घोर निंदा करते हुए चेतावनी दी कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान और जनाधिकारों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी और जनता की आवाज को किसी भी कीमत पर दबने नहीं देगी। इस दौरान कार्यक्रम में राजकुमार शर्मा, सुरेंद्र कुमार शर्मा, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सुशांत गोयल, जिला मीडिया प्रभारी आशुतोष गुप्ता, लक्ष्मण, उदय सिंह, पाल सिंह, अरविंद शर्मा, लोकेश चौधरी, पूर्व महानगर अध्यक्ष राजीव शर्मा, सुभाष पायलट, हरेंद्र सिंह बाबा, अक्षय वीर, अजय हितैषी, वीरभान सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई पंचायती राज विभाग के विकास कार्यों की बैठक, विकास कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

15वें वित्त आयोग, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं अन्य योजनाओं की प्रगति की जिलाधिकारी ने ली जानकारी

हापुड़ (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना, की अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों, 15वें वित्त आयोग, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों में स्वीकृत निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं। गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। प्राप्त धनराशि से पेयजल,

नाली, सड़क एवं सामुदायिक शौचालय के कार्यों को प्राथमिकता पर कराया जाए। श्रमिकों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाए। कार्यों का सोशल ऑडिट एवं जियो टैगिंग अनिवार्य रूप से की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि ओडीएफ प्लस के अंतर्गत सामुदायिक शौचालयों की साफ-सफाई एवं कचरा प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि

ग्राम पंचायतों में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र एवं अन्य सेवाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं। पंचायतों में शिकायत पेटिका एवं हेल्पलाइन को सक्रिय रखा जाए। ग्राम प्रधान एवं सचिव नियमित रूप से जनता की समस्याएं सुनें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, समस्त खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।

सपा के पीडीए सम्मेलन में समाज के संयोजकों का सम्मान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर विधानसभा शिकारपुर के पीडीए (पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक) समाज के कार्यकताओं व पदाधिकारियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। जिलाध्यक्ष मतलूब अली और जिला महासचिव कृष्णपाल यादव ने विभिन्न समाजों के संयोजकों को

पार्टी का पटका व पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने कहा कि पीडीए अभियान सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की रक्षा के लिए चलाया जा रहा है तथा किसानों, युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए समाजवादी पार्टी निरंतर संघर्षरत है। सम्मेलन में पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चैयरमेन ने यूपीएससी वैज्ञानिक (ग्रेड -ए) में चयन होने पर अंजलि को मिठाई खिलाकर की हार्दिक बधाई

बुलंदशहर (सब का सपना):- खुर्जा क्षेत्र में नेहरूपुर निवासी विनोद कुमार की पुत्री कुमारी अंजली आईआईटी कानपुर से पीएचडी साईंटिस्ट कर रही जिनका यूपीएससी के वैज्ञानिक (ग्रेड- ए) में चयन हुआ जो कानपुर से बुलंदशहर ट्रेन द्वारा पहुंची, जहां पुलिस प्रोटोकॉल के साथ रेलवे स्टेशन से घर तक नगर में फूलमाला पहनाकर लोगों ने किया जोरदार स्वागत किया। बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चैयरमेन शिवकिशोर गौड़ द्वारा कार्यालय पर वैज्ञानिक अंजली को मिठाई खिलाकर दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। नेहरूपुर स्थित घर पर फीता काटकर प्रवेश किया ,जिसमें शिक्षक सतेंद्र कुमार, पूनम कुमारी एडवोकेट शैलेंद्र कुमार सहित अनेक लोगों ने पुष्प वर्षा की,

आसपास के लोगों को मिठाई खिलाकर खुशियां बाती,नगर के लोगों द्वारा बधाई देने का तांता लगा हुआ। कुमारी अंजली वैज्ञानिक द्वारा बताया गया कि माता-पिता एवं शिक्षकों के सहयोग से वह आज इस मुकाम पर पहुंची है सभी का धन्यवाद अदा करती हूं तथा अन्य युवा लड़कियों एवं लड़कों को भी इस तरह ही मेहनत कर परीक्षा पास करने के लिए प्रेरित करती हूं जो अपने जिले ही नहीं देश का भी नाम रोशन करें। जिसमें अनेक शिक्षक, नेता, वकील, डॉक्टर शामिल रहे जिन्होंने अंजलि को वैज्ञानिक बनने पर यूपीएससी की परीक्षा पास करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

काउंसलिंग से सुलझे तीन वैवाहिक विवाद, दंपतियों ने साथ रहने का लिया संकल्प

बुलंदशहर (सब का सपना):- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में संचालित महिला सैल/परिवार परामर्श केंद्र द्वारा वैवाहिक विवादों के त्वरित निस्तारण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को परिवार परामर्श केंद्र में पति-पत्नी के पारिवारिक विवादों से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई। काउंसलिंग के दौरान दोनों पक्षों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। संवाद के बाद तीन मामलों में पति-पत्नी आपसी सहमति से विवाद समाप्त कर साथ रहने के लिए राजी हो गए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर विश्वास जताते हुए नवजीवन की शुरूआत करने और भविष्य में प्रेम एवं सौहार्द के साथ जीवन व्यतीत करने का संकल्प

लिया। प्रभारी महिला सैल एवं काउंसलरों ने सभी दंपतियों को नई शुरूआत के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्हें सलाह दी कि बीती बातों को भूलकर आपसी विश्वास, सम्मान और समझदारी के साथ वैवाहिक जीवन को सफल बनाने का प्रयास करें।

मोदीनगर में तीन दिन से बिजली गुल, पानी की किल्लत से परेशान महिलाओं ने सब स्टेशन पर किया हंगामा

मोदीनगर/गाजियाबाद (सब का सपना):- जनपद के मोदीनगर के धर्मपुरी और बेगमाबाद इलाके में पिछले 3 दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित होने से नाराज महिलाओं ने शुक्रवार दोपहर बिजली सब स्टेशन पर जमकर हंगामा किया। भीषण गर्मी और पीने के पानी की समस्या को लेकर महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। शुक्रवार दोपहर करीब 11 बजे धर्मपुरी और बेगमाबाद की दर्जनों महिलाएं फाफराना मार्ग स्थित बिजली सब स्टेशन पर इकट्ठा हुईं। उन्होंने अवर अभियंता के कार्यालय के सामने धरना शुरू कर दिया और बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रही महिलाओं का कहना था कि पिछले 3 दिन से बिजली न आने के कारण घरों में बच्चे और बुजुर्ग बेहाल हैं। गर्मी की

वजह से रातभर नींद नहीं आ रही है। सबसे बड़ी समस्या पीने के पानी की है। बिजली न होने के कारण ट्यूबवेल नहीं चल पा रहे, जिससे लोगों को 1 किलोमीटर दूर हैंडपंप से पानी लाना पड़ रहा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिलाओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन महिलाएं बिजली आपूर्ति बहाल होने तक धरने पर डटी रहीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिशासी अभियंता मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिलाओं को आश्वासन दिया कि तकनीकी खराबी को जल्द ठीक कर बिजली आपूर्ति सुचारु कर दी जाएगी। इसके बाद महिलाएं शांत हुईं।

कनवानी में बड़ा हादसा, निमार्णाधीन मकान की दीवार गिरने से 4 स्कूली बच्चे घायल

गाजियाबाद(सब का सपना):- जनपद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनवानी गांव में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया, जब एक निमार्णाधीन मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। इस हादसे में पास से गुजर रहे सरकारी स्कूल के चार छात्र मलबे में दब गए, जिससे इलाके में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चे स्कूल से लौट रहे थे, तभी अचानक दीवार गिर गई और वे उसकी चपेट में आ गए। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए राहत कार्य शुरू किया और मलबे में दबे बच्चों को बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। सभी घायल बच्चों का इलाज जारी है और उनकी हालत

पर डॉक्टरों की निगरानी बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक तौर पर यह देखा जा रहा है कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं।स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी रोष है। उनका कहना है कि निर्माण कार्य में लापरवाही और सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण यह हादसा हुआ है। एक छोटी सी चूक ने चार मासूम बच्चों की जान को खतरे में डाल दिया।अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ प्रशासन कब और क्या कार्रवाई करेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद को दी 868 करोड़ की विकास सौगात, 90 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

गाजियाबाद (सब का सपना):- जनपद में योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गाजियाबाद जिले को 868.17 करोड़ रुपये की बड़ी विकास सौगात दी। अपने निर्धारित दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने 90 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुएमुख्यमंत्री ने मुरादनगर स्थित तेजपाल त्यागी कुशलपाल त्यागी मेमोरियल कॉलेज में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं और उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य हर क्षेत्र में संतुलित और तेजी से विकास सुनिश्चित करना है।

33 परियोजनाओं का लोकार्पण, 57 का शिलान्यास

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 33

परियोजनाओं का लोकार्पण किया, जबकि 57 नई परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। इन नई परियोजनाओं पर लगभग 685.14 करोड़ रुपये की लागत आएगी। साथ ही, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी की प्रतिमा का भी अनावरण किया गया।

विभागीय परियोजनाओं को मिली गति

इस अवसर पर गृह, शिक्षा, डूडा, पीडब्ल्यूडी, पंचायती राज और आवास-शहरी विकास विभाग की कई महत्वपूर्ण योजनाओं को आगे बढ़ाया गया। मुख्य परियोजनाओं में बापूधाम थाने के प्रशासनिक भवन का निर्माण, पुलिस लाइन में ट्रांजिट हॉस्टल और नगर निगम की विभिन्न विकास योजनाएं शामिल रहीं। इसके अलावा मुरादनगर के भदौली में नए हाईस्कूल भवन के निर्माण कार्य की भी शुरूआत की गई।

यातायात व्यवस्था में होगा सुधार

क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर

बनाने के लिए मतौर-डोलचा सीमा और भदौली के पास हिंडन नदी पर दो लेन पुल एवं संपर्क मार्ग के निर्माण की घोषणा की गई। इस परियोजना के पूरा होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

जीडीए की 19 परियोजनाएं, फ्लाईओवर से जाम से राहत

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की 19 परियोजनाओं पर करीब 505 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनमें हापुड़ चुंगी चौराहे पर बनने वाला फ्लाईओवर प्रमुख है, जो शहर की जाम की समस्या को कम करने में सहायक होगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1096 आवासों का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने मुरादनगर क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित 1096 आवासों का लोकार्पण भी किया। इनमें मधुबन-बापूधाम और निवाड़ी क्षेत्र के आवास शामिल हैं, जिससे कई परिवारों को अपना घर मिलने का सपना साकार हुआ।

भव्य जनसभा के साथ कार्यक्रम संपन्न

मुरादनगर में आयोजित जनसभा में लगभग 10 हजार से अधिक लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं के व्यापक इंतजाम किए गए थे। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मोंदड़ सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने व्यवस्थाओं की निगरानी की।

विकास को मिलेगी नई रफ्तार

मुख्यमंत्री के इस दौरे को गाजियाबाद के लिए विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे जिले में बुनियादी ढांचे, आवास, शिक्षा और यातायात सुविधाओं में व्यापक सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

जानकारी

क्या आप भी चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं? जानें कितना सुरक्षित है फेस वैक्सिंग

कई महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं। जिन महिलाओं के चेहरे पर ज्यादा बाल होते हैं, वो चेहरे पर ब्लीच, थ्रेडिंग या वैक्सिंग कराती हैं। लेकिन जो महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं, उन्हें चेहरे पर वैक्सिंग कराने के साइड इफेक्ट्स के बारे में भी मालूम होना चाहिए। चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। यहां पर हम आपको बता रहे हैं कि चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय किन बातों का ध्यान जरूर रखें।

चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय इन बातों का ध्यान रखें

- चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय जरा सी गलती होने पर चेहरे की खूबसूरती बिगड़ सकती है इसलिए चेहरे पर वैक्सिंग बहुत सोच-समझकर कराएं।
- चेहरे की त्वचा बहुत सॉफ्ट होती है और चेहरे पर वैक्सिंग कराने से चेहरे पर बहुत जल्दी झुर्रियां यानी रिंकल्स हो सकते हैं, इसलिए बहुत जरूरी हो तो ही चेहरे पर वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग से हेयर फॉलिकल्स को नुकसान पहुंचता है, जिससे चेहरे पर सूजन, दाग पड़ जाना, इंफेक्शन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
- यदि आपके चेहरे पर बाल कम हैं, तो वैक्सिंग की बजाय चेहरे पर ब्लीच कर लें।
- यदि आपके चेहरे पर बहुत मोटे बाल हैं, तो आपके लिए लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट बेस्ट है।
- यदि आप अपने हाथ-पैर की वैक्सिंग खुद घर पर ही करती हैं, तो भी चेहरे की वैक्सिंग खुद न करें, क्योंकि चेहरे की वैक्सिंग मुश्किल होती है। चेहरे की वैक्सिंग करते समय वैक्स का टेम्प्रेचर, वैक्सिंग स्ट्रिप की क्वालिटी आदि का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है इसलिए हमेशा एक्सपर्ट से ही चेहरे की वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग कराते समय अपने स्किन टाइप का भी जरूर ध्यान रखें। यदि आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो एक्सपर्ट से इस बारे में पहले ही डिस्कस कर लें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन हो सकता है।
- चेहरे की वैक्सिंग कराते समय हाइजीन का विशेष ध्यान रखें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन होने की संभावना बढ़ सकती है।
- चेहरे पर वैक्सिंग कराने के तुरंत पहले या बाद में ब्लीच न करें, इससे आपके चेहरे को नुकसान हो सकता है। चेहरे पर ब्लीच करना है या नहीं इसके बारे में एक्सपर्ट से सलाह लें।
- वैक्सिंग कराने के बाद चेहरे पर वैक्सिंग लोशन या फेस सीरम लगाना न भुलें, वरना चेहरे पर रैशेज हो सकते हैं।
- वैक्सिंग कराने के तुरंत बाद धूप में न जाएं और न ही किचन में गैस के सामने खड़े होकर काम करें।
- जब तक जरूरत न हो, चेहरे पर वैक्सिंग न कराएं, जल्दी-जल्दी वैक्सिंग कराने से चेहरे की त्वचा को नुकसान हो सकता है।

थोरेसिक स्पाइन के इलाज में एक नया आयाम वैट सर्जरी

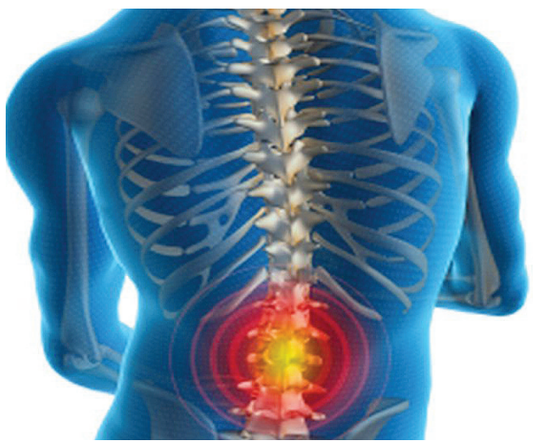

महानगरों की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी, सोने तथा चलने के तौर तरीकों में बदलाव की बदौलत पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। एक मोटे तौर के अनुसार देश में हर सातवां व्यक्ति पीठ तथा गर्दन दर्द से परेशान है। पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों में महिलाओं की संख्या काफी तादात में है। कमर दर्द के अनेक कारण हैं, लेकिन लगातार झुककर बैठना, रोजाना देर तक स्कूटर व मोटरसाइकिल चलाना, दफ्तर में झुककर काम करना और देर तक कंप्यूटर या टाइपराइटर पर काम करने वाले लोगों में यह दर्द ज्यादा होता है।

वर्तमान समय में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण गर्दन दर्द का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि देश के बड़े शहरों एवं महानगरों में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण कमर दर्द से ग्रस्त लोगों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। यूं तो बच्चों से लेकर बुजुर्ग सभी कमर दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। बढ़ती उम्र, भारी शारीरिक कार्य, लंबी अवधि तक एक ही स्थिति में काम करने वाले लोग (जैसे सेक्रेटरी, रिसेप्शनिस्ट, काल सेंटर के कार्मिक) भारी सामान उठाने वाले, वाइब्रेटर टूल आपरेटर आदि अधिक प्रभावित होते हैं। यदि इस के उपचार की बात की जाए तो कई प्रकार के उपचार भी मौजूद हैं। जैसे- बेड रेस्ट, इंजेक्शन, शल्य-चिकित्सा, स्पाइनल फ्यूजन, डिस्क प्रत्यारोपण, वर्टिब्रोप्लास्टी, पिन होल सर्जरी और मिनिमल इंवेसिव सर्जरी आदि। लेकिन हर उपचार की अपनी कुछ सीमाएं हैं। मगर अब वैट सर्जरी (वीडियो एसिस्टिड थोरोस्कोपी) नामक एक नई सर्जरी की शुरुआत की गई है।

थोरेसिक स्पाइन की आम बीमारियां क्या हैं?

थोरेसिक स्पाइन में गर्दन व कमर की तरह कई सारी बीमारियां हो सकती हैं जैसे कि स्लिप्ड डिस्क, ट्यूमर, संक्रमण जैसे टी.बी., फेक्चर, कूबड़ इत्यादि। इन बीमारियों में सीने के पीछे कमर में दर्द व सीने में खिंचाव रहता है और ये दर्द कभी कभी नीचे पैरों तक भी जा सकता है। इसके साथ पैरों का सुन्न होना, चलने में मुश्किल व दैनिक क्रिया करम में दिक्कत पैदा हो सकती है। इन सभी कष्टों का कारण होता है नसों पर दबाव। अब वैट सर्जरी के द्वारा इस दबाव को आसानी से कम किया जा सकता है। इसके साथ-साथ कूबड़ के मरीजों की कमर का टेढ़ापन आसानी से दूर किया जा सकता है।

वैट सर्जरी के क्या फायदे हैं?

वैट सर्जरी में एक पतली सी दूरबीन द्वारा सीने की रीढ़ की हड्डी तक पहुंचकर टीवी स्क्रीन पर देखते हुए, वो सारे आपरेशन संभव हो गए हैं जो कि पहले सीने को खोलकर संभव हो पाते थे। इसमें एक विशेष किस्म की बेहोशी करके मरीज के एक फेफड़े को पिचका दिया जाता है, जिससे कि बिना किसी रुकावट के ट्यूमर या डिस्क को आसानी से निकाला जा सकता है। यह पूरी सर्जरी केवल एक या दो घंटे में पूरी हो जाती है। इसका मुख्य फायदा यह है कि मरीज अगले दिन से चल फिर सकता है। खून बहने व संक्रमण का रिस्क नहीं होता और मरीज को तीन दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है, जिससे कि दवाईयां व अस्पताल का खर्च बच जाता है। वास्तव में यह सर्जरी बहुत ही उपयोगी व मरीजों के लिए एक वरदान के समान है।

डॉ. सतनाम सिंह छाबड़ा, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

स्लिप्ड डिस्क किस उम्र में खतरा ज्यादा होता है

- आमतौर पर 30 से 50 वर्ष की उम्र में कमर के निचले हिस्से में स्लिप्ड डिस्क की समस्या हो सकती है।
- 40 से 60 वर्ष की आयु तक गर्दन के पास सर्वाइकल वर्टिब्रा में समस्या होती है।
- विशेषज्ञों के अनुसार अब 20-25 वर्ष के युवाओं में भी स्लिप डिस्क के लक्षण तेजी से देखे जा रहे हैं। देर तक बैठ कर कार्य करने के अलावा स्पीड में बाइक चलाने या सीट बेल्ट बांधे बिना ड्राइविंग करने से भी यह समस्या बढ रही है। अचानक ब्रेक लगाने से शरीर को झटका लगता है और डिस्क को नुक्सान हो सकता है।

सामान्य लक्षण

- नसों पर दबाव के कारण कमर दर्द, पैरों में दर्द या पैरों, एडी या पैर की अंगुलियों का सुन्न होना।
- पैर के अंगूठे या पंजे में कमजोरी।
- स्पाइनल कॉर्ड के बीच में दबाव पडने से कई बार हिप या थाईज के आसपास सुन्न महसूस करना।
- समस्या बढने पर यूरिन-स्टूल पास करने में परेशानी।
- रीढ के निचले हिस्से में असहनीय दर्द।
- चलने-फिरने, झुकने या सामान्य काम करने में भी दर्द का अनुभव। झुकने या खांसने पर शरीर में करंट सा अनुभव होना।

जांच और उपचार

दर्द लगातार बना रहना, एक्स-रे या एमआरआइ, लक्षणों और शारीरिक जांच से डॉक्टर को पता चलता है कि कमर या पीठ दर्द का सही कारण क्या है और क्या यह स्लिप्ड डिस्क है।जांच के दौरान स्पॉन्डलाइटिस, डिजेनरेशन, ट्यूमर, मेटास्टेज जैसे लक्षण भी पता लग सकते हैं।

सेहत

मेथी के 16 फायदे

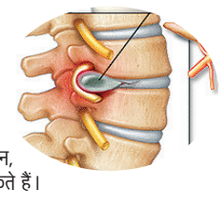

मेथी हर रसोई में मिल जाएगी, खाने का फ्लेवर बढ़ाने के साथ ही ये कई बीमारियों को भी दूर रखती है। ठंड के मौसम में मिलने वाले मेथी के पत्तों की सब्जी बनाकर खाएं। स्वाद में भले ही ये थोड़ी कड़वी होती है, मगर सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। खासकर महिलाओं के लिए। वैसे सिर्फ मेथी के पत्ते ही नहीं, मेथी दाना भी सेहत का खजाना है। मेथी में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है।

- डिलीवरी के बाद महिलाओं को मेथी के लड्डू खाने को कहा जाता है। इससे प्रेग्नेंसी के बाद शरीर मजबूत बनता है और कमजोरी महसूस नहीं होती। ब्रेस्टफीड करानेवाली महिलाओं के लिए मेथी के पत्तों की सब्जी बहुत फायदेमंद होती है। मेथी कैल्शियम का भी बेहतरीन स्रोत है।
- पेट में जलन होने पर मेथी की सूखी पत्तियों और शहद को मिलाकर काढ़ा बनाएं। दिन में दो बार इसे पीने से पेट की जलन से राहत मिलती है।
- मेथीदाना को पीस लें और गुड़ में मिलाकर लड्डू बनाएं। ठंड के मौसम में रोजाना एक लड्डू खाने से सर्दी-खांसी की समस्या नहीं होगी।
- मेथी की सब्जी बनाकर खाएं। इससे डाइजेशन ठीक रहता है।
- मेथी बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट डिसीज के खतरे को कम करती है।
- मेथी डायबिटीज पेशेंट के लिए भी रामबाण से कम नहीं है. ये शुगर लेवल को कम करने में मदद करती है।
- यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिंस को निकालने में मदद करती है।
- मेथी याददाश्त बढ़ाने में भी मददगार है।
- वजन कम करने में भी मेथी कारगर है। इसमें पाए जाने वाले फाइबर्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं।
- मेथी के दानों को रातभर पानी में भिगोकर रखें और सुबह खाएं, बहुत ज्यादा होगा।
- यदि स्किन प्रॉब्लम्स जैसे- रिंकल्स, ब्लैकहेड्स, पिंपल्स, ड्राईनेस आदि से परेशान हैं, तो मेथी की पत्तियों का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।
- हार्मोनल बैलेंस बनाए रखने में भी मेथी बेहद कारगर होती है।
- मेथी एक बेहतरीन घरेलू दवा का काम करती है। ये बुखार और कई अन्य मौसमी बीमारियों को ठीक करने में मदद करती है।
- मेथी के पत्तों से हर्ब टी बनाई जा सकती है, इसे पीने से दिमाग शांत और फ्रेश रहता है।
- मेथी में आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है, इससे शारीरिक कमजोरी दूर होती है।
- मेथी के नियमित सेवन से महिलाओं को पीरियड्स और मेनोपात के दौरान होने वाली समस्याओं से राहत मिलती है।

मेथी सलाद

एक गड्डी मेथी को धोकर नमक लगाकर 30 मिनट रखकर पानी निचोड़ लें। फिर मेथी के पत्तों को बारीक काट लें। आधा-आधा कप बारीक कटे प्याज और टमाटर, मेथी, आधा टीस्पून लालमिर्च पाउडर, 1 टीस्पून तेल और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। तैयार मेथी सलाद का मजा लें।

मेथी टमाटर

एक गड्डी मेथी को साफ करके काट कर उबाल लें। कड़ाही में 1 टेबलस्पून तेल गरम करके हींग, राई और जीरे का छौंक लगाएं। अब 1 टमाटर बारीक कटा हुआ, आधा-आधा टीस्पून धनिया पाउडर व लालमिर्च पाउडर डालकर 2 मिनट तक भूनें। 2-3 टेबलस्पून पानी डालकर एक उबाल आने पर मेथी व नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। धीमी आंच पर 5-7 मिनट पकने के बाद आंच से उतार लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3951

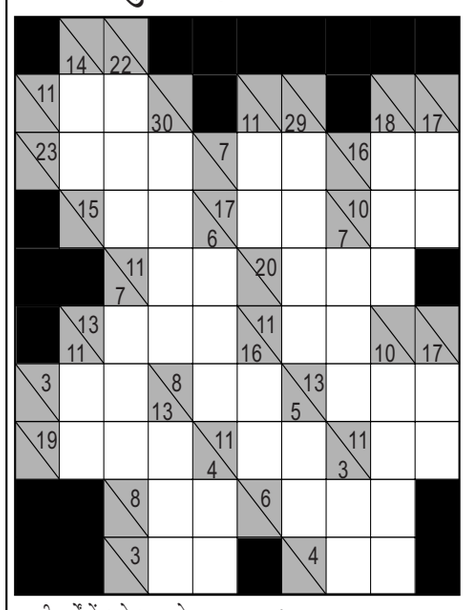

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

11/7 → 1 2 3 5

1, 2, 4 ↑

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

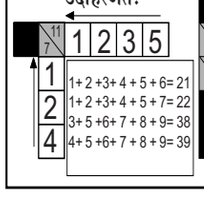

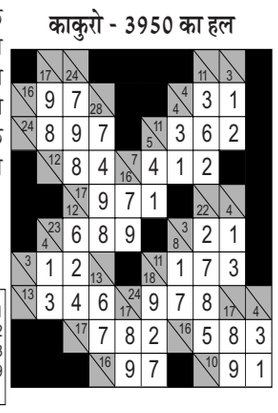

काकुरो - 3950 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक पुस्तक व्यापारी कुछ किताबें खरीदने हेतु एक सप्ताह के लिए लखनऊ गया। उसे लखनऊ में ऊँची चीज मिल गई और उसका दिल वहीं रह गया। जब कई दिन फालतू लग गए तो उसने अपनी पत्नी को तार दिया- 'अभी खरीददारी जारी है अगले सप्ताह हम...।'

पत्नी पति को जानती थी। वह तुरंत समझ गई।

उसने वापसी में तार भेजा- तुरंत लौट आओ...! यदि कल शाम तक वापसी नहीं हुई तो वही बेचना शुरू कर दूँगी जो तुम खरीद रहे हो।

□ □ □

रमन के बड़े भैया नरेश पिछले कई महीनों से बहुत परेशान थे। वे रमन से बोले- छोटे! मैं बहुत परेशान हूँ। मेरी बीवी हमेशा अपने पुराने पति का जिक्र करके मुझे ताना देती रहती है।

रमन बोला- भैया! ये तो कुछ भी नहीं है। मेरी बीवी ने तो अभी से मुझे उसके अगले होने वाले पति का ताना देना शुरू कर दिया है।

□ □ □

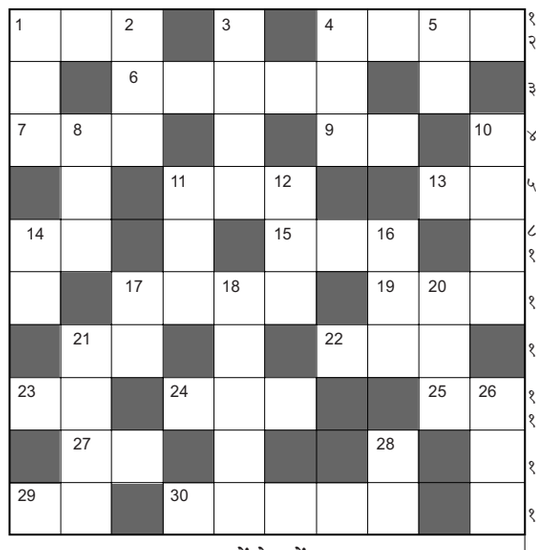

फिल्म वर्ग पहेली- 3951

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६.अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3950

ब्लै	क	मे	ल		जं		बे	व	फा
क		ला	ल	बं	ग	ला		जू	
	ही		का		ली		ग	द	र
मे	रा	ध	र	म		रा	ज		फ्ता
हं		र्मा		ह	वा		ब	हा	र
दी	दी		दि	ल	दा	र		सि	
	दा	मु	ल			मा	ई	ल	व
सु	र		से	ह	रा				फा
हा		य		व		ज	या	प्र	दा
ग	र्दि	श		स	त्या		दें		र

सूडोकु -3951

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3950 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शब्द पहेली - 3951

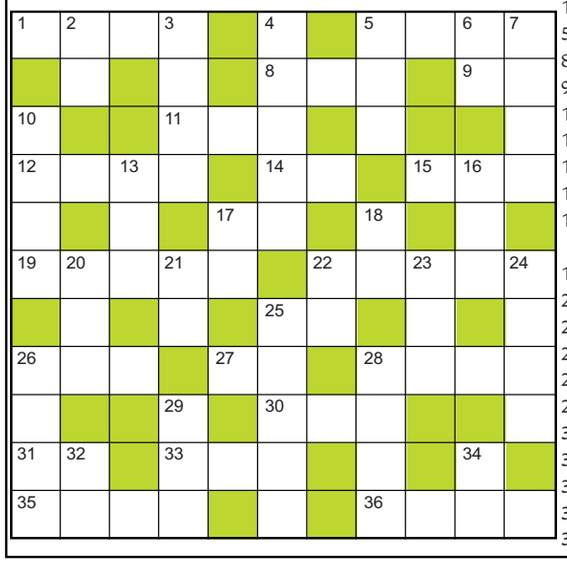

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -3950 का हल

	त	था	क	थि	त		क	या	म	त
ना	प		ह		र	का	बी		त	र
मु		त	वा	य	फ		ला	वा		खा
ना	पा	क			दा	नी		दा	म	न
सि		दी		प	र		सा		हि	
ब	ह	र	हा	ल		नि	रा	ला	प	न
	र		नि		आ	शा		ज		ज
अ	म	र		अ	तं			वा	न	र
मा		मा	न		क	र	त	ब		बं
न	या		ज	ल	वा		ना		क	द
त	क	दी	र		द	शा	व	ता	र	

'श्री श्री' के जरिए बड़े परदे पर नजर आएंगे पूजा हेगड़े और दुलकर सलमान

दुलकर सलमान ने अपनी 41वीं फिल्म का टाइटल अनाउंस कर दिया है। अब तक 'DQ41' के नाम से पहचानी जा रही इस फिल्म का नाम 'श्री श्री' रखा गया है। दुलकर ने सोशल मीडिया पर फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए इसकी अनाउंसमेंट की। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में दुलकर और पूजा हेगड़े खूबसूरत प्राकृतिक वादियों के बीच नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर 'लव विल स्पार्क अगेन' टैगलाइन भी लिखी गई है, जो फिल्म की रोमांटिक थीम की झलक देती है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए दुलकर और पूजा पहली बार बड़े परदे पर साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग काफी समय पहले शुरू हो चुकी थी, लेकिन अब जाकर मेकर्स ने इसका नाम सामने रखा है। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग की कुछ झलकियां साझा की थीं।

धीक्षित शेट्टी भी अहम भूमिका में

फिल्म का लेखन और निर्देशन रवि नेलाकुडिटी ने किया है। वहीं इसका निर्माण सुधाकर चेरुकुरी ने एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले किया है। इसमें धीक्षित शेट्टी भी अहम भूमिका निभा रहे हैं और म्यूजिक जी.वी. प्रकाश कुमार ने दिया है। फिल्म को मल्टी लैंग्वेज पैन इंडिया फिल्म के रूप में 2026 में रिलीज किया जाएगा।

फिल्म निर्माण में उतरेंगी सना सईद, शेयर किया 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का पहला ड्राफ्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री सना सईद ने बतौर फिल्म निर्माता अपनी पहली फीचर फिल्म 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का पहला ड्राफ्ट पूरा होने पर जश्न मनाया। उनको ड्राफ्ट (कहानी या स्क्रिप्ट का प्रारंभिक मसौदा) मिल गया है। सना सईद 'बियॉन्ड मैजिक स्टूडियोज' के तहत एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। अभिनेत्री इस फिल्म में एक्टिंग भी करेंगी। सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर करते हुए सना ने कहा कि हाथ में स्क्रिप्ट पकड़ने से उन्हें फिल्म बनाने का अपना सपना आखिरकार 'बहुत असली' लगा। 'कुछ कुछ होता है' की एक्ट्रेस ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा, 'मेरे हाथ में एक फीचर फिल्म के 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का पहला ड्राफ्ट है, जिसे हम मेरी प्रोडक्शन कंपनी, बियॉन्ड मैजिक स्टूडियो के तहत बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म बनाने की दिशा में मेरा पहला कदम है और यह बस शुरुआत है।' उन्होंने कहा, 'फिल्म बनाना बहुत मेहनत का काम है और इसमें बहुत कुछ शामिल है जिसे मैं अभी सीख और समझ रही हूं लेकिन हाथ में यह पहला ड्राफ्ट होना बहुत एक्साइटिंग है। मुझे एक्टिंग पसंद है, लेकिन मुझे फिल्म बनाना भी हमेशा से पसंद रहा है। मैं हमेशा से इसका अंदर से हिस्सा बनना चाहती थी। और इसे हाथ में पकड़ना बहुत असली लगता है। यह बहुत असली लगता है।' सना ने कैप्शन में लिखा, 'जिस चीज पर मैं कुछ समय से चुपचाप काम कर रही थी, वह आज सच हो गई। मुझे एक फीचर फिल्म के लिए अपने 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का पहला ड्राफ्ट मिला। एक स्क्रिप्ट। एक असली स्क्रिप्ट। एक ऐसी फिल्म के लिए जिसमें मैं एक्टिंग करूंगी, जिसे हम सब मिलकर शुरू से बना रहे हैं। जिस चीज का मैंने सपना देखा था, उसे हाथ में पकड़ने पर कैसा महसूस होता है, इसके लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। इसलिए मैंने बस अपने फोन पर बात की।

सना सईद अभी लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में रहती हैं। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत मशहूर फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी और बाद में 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में नजर आईं। इतने साल में, उन्होंने 'झलक दिखला जा 6,' 'नच बलिए 7,' और 'फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी 7' जैसे पॉपुलर रियलिटी शो में भी हिस्सा लिया है।

लोग सिर्फ इंडस्ट्री का ग्लैमर देखते हैं

करीब दो दशक से टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं अनिता हसनंदानी ने छोटे पर्दे के कई दौर देखे हैं। सास-बहू सीरियल से लेकर ओटीटी तक का बदलाव देखा। बदलती हुई इंडस्ट्री के साथ उन्होंने खुद को भी बदला है। इन दिनों वह टीवी सीरियल 'तुम से तुम तक' में राजनंदिनी का किरदार निभा रही हैं। बातचीत में अनिता ने अपने करियर, टीवी इंडस्ट्री और अपनी बदली हुई सोच पर खुलकर बात की है।

रिश्तों में बेवजह की उलझनें पसंद नहीं हैं

सीरियल 'तुम से तुम' में अनिता का किरदार राजनंदिनी अपने मन की बात को खुलकर कहता है। क्या असल जिंदगी में अनीता हसनंदानी भी ऐसी हैं। इस पर वह कहती हैं, 'मैं अपने बारे में ऐसा तो नहीं कहूंगी। मुझे लगता है कि जिंदगी में कोई भी पूरी तरह सॉर्टेड नहीं होता है। हां, मैं अपनी फीलिंग्स को लेकर हमेशा ईमानदार रही हूं। रिश्तों में मुझे बेवजह की उलझनें पसंद नहीं हैं। मुझे रिश्तों में साफगोई पसंद है। शायद यही वजह है कि मैं राजनंदिनी से भी तुरंत जुड़ गई। उसके अंदर एक गरिमा है, एक सादगी है।' वह आगे कहती हैं, 'मुझे इस सीरियल में रिश्तों की कई परतें दिखी हैं। कोई भी किरदार परफेक्ट नहीं है और यही बात इसे अलग बनाती है।'

अच्छी कहानियां और काम याद रहता है

सास-बहू से लेकर सुपरनैचुरल और ओटीटी तक, अनिता ने टीवी का हर दौर देखा है। लेकिन किसी ट्रेंड की आलोचना करने के बजाय वह खुद में आए बदलाव की बात करती हैं। अनीता कहती हैं, 'अगर एक चीज वापस नहीं आनी चाहिए, तो वो है खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव डालना। पहले मैं छोटी-छोटी बातों पर बहुत परेशान हो जाती थी। अब समझ आया है कि प्रोसेस पर भरोसा रखना चाहिए। आखिर में ट्रेंड नहीं अच्छी कहानियां और अच्छा काम ही याद रहता है।'

टीवी इंडस्ट्री को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी क्या है? इस सवाल पर अनिता जवाब देती हैं, 'लोगों को लगता है कि रोज टीवी पर दिखते हैं, तो शायद यह आसान काम होगा। लेकिन इसके पीछे कितनी मेहनत होती है, इसका अंदाजा बहुत कम लोगों को है। लंबे वक्त तक शूटिंग, कम समय में तैयारी और लगातार इमोशनल सीन करना आसान नहीं होता है। लोग ग्लैमर देखते हैं लेकिन उसके पीछे का अनुशासन और मेहनत नहीं।'

कृति सेनन ने बताया क्यों करवाए एग्स फ्रीज

कृति सेनन की उम्र इस वक्त 35 साल है। उनके कबीर बहिया के साथ रिलेशनशिप में होने की अटकलें भी लगती हैं। लेकिन शादी को लेकर कृति सेनन का अभी कोई प्लान नजर नहीं आता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि लगभग 5 साल पहले ही अपने एग्स फ्रीज करवा लिए थे। उस वक्त एक खास वजह से उन्होंने यह फैसला लिया था।

कृति सेनन कहती हैं, 'मैं यह बात पहली बार बता रही हूं। मैंने अपने एग्स फ्रीज करवाए थे। मैंने बहुत समझदारी से यह काम उस समय किया, जब मुझे 'मिमी' फिल्म के लिए वजन बढ़ाना था। इससे शरीर में बदलाव आ रहे थे, मैं वजन बढ़ा ही रही थी। मैंने किसी से बात की थी, उन्होंने मुझे बताया कि अगर हो सके तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात है। यह खुद को दिया जा सकने वाला सबसे अच्छा तोहफा है। यह बात मेरे दिमाग में रह गई। फिर जब मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा गया, तो मुझे लगा कि यही सही समय है।' फिल्म 'मिमि' साल 2021 में रिलीज हुई थी यानी लगभग पांच साल पहले कृति सेनन ने अपने एग्स को फ्यूचर के लिए फ्रीज करवा दिया। बता दें कि एग फ्रीजिंग एक मेडिकल प्रक्रिया है जिसमें महिला के एग्स (अंडे) को जमा करके फ्रीज कर दिया जाता है। जब कभी फ्यूचर में उसे मां बनना होता है तो इन एग्स के जरिए वह अपने बयोलॉजिकल बच्चे पैदा कर सकती है।

रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में हैं एक्ट्रेस

कृति सेनन बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों कई बार साथ नजर आ चुके हैं। बीते दिनों इनके ब्रेकअप की अटकलें भी लग थीं। फिर यह कपल मुंबई के बांद्रा में डिनर डेट पर दिखाई दिया। पैपराजी से भी बचने की कोशिश कृति और कबीर ने नहीं की। एक वायरल वीडियो में दोनों मुस्कुरा रहे थे। एक ही गाड़ी में यह कपल घर की तरफ निकला। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनके रिश्ते में कोई दूरी नहीं आई।

कृति सेनन करियर फ्रंट पर क्या रही हैं

कृति सेनन की कुछ दिनों पहले ही फिल्म 'कॉकटेल 2' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी हैं। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कृति आने वाली फिल्म 'डॉन 3' में भी नजर आ सकती हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

थोड़ा सब्र रखें, हैरान कर देगी 'टॉक्सिक'

यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' का टीजर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी काफी चर्चा हो रही है। टीजर में दिखाए गए इंटीमेट सीन्स को लेकर कई यूजर्स ने फिल्म की आलोचना की और इसे जरूरत से ज्यादा बोल्ड बताया। कुछ लोगों ने सेंसर बोर्ड को लेकर भी अटकलें लगाईं कि फिल्म के कई सीन काटे जा सकते हैं। इन प्रतिक्रियाओं के बीच फिल्म से जुड़ी एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि दर्शकों ने अभी फिल्म देखी ही नहीं है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। हुमा कहती हैं... 'टॉक्सिक में जितनी भी लीड एक्ट्रेसेस हैं, सभी ने शानदार काम किया है। गीतू मोहनदास एक बेहतरीन फिल्ममेकर हैं। उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके काम को पहचान मिली है। जब उन्होंने मुझे यह फिल्म ऑफर की, तो मैं इस बात को लेकर उत्साहित थी कि एक महिला निर्देशक इतनी बड़े स्तर की फिल्म कैसे पेश करेंगी। इतनी बड़ी स्टार कास्ट किसी मजबूत कहानी के बिना एक साथ नहीं आती। दर्शकों को थोड़ा धैर्य रखना चाहिए क्योंकि पूरी फिल्म देखने के बाद ही सही तस्वीर सामने आएगी। यह सभी को शॉक्ड कर देगी। यह फिल्म 26 अगस्त को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी।

आज भी खुद को सीखने की प्रक्रिया में मानती हैं संचिता बसु

मां के सूट पहनकर 90 के दशक के गानों पर विडियो बनाने वाली भागलपुर (बिहार) की एक लड़की को शायद तब अंदाजा नहीं रहा होगा कि एक दिन लोग उसे उसके असली नाम से 'यादा उसके किरदार 'सान्विका' के नाम से पहचानेंगे। सोशल मीडिया से अभिनय तक का सफर तय करने वाली संचिता बसु आज भी खुद को सीखने की प्रक्रिया में मानती हैं। हाल ही में 'टुकरा के मेरा प्यार' सीजन-2 के लिए संचिता ने हमसे अपने संघर्ष, वायरल होने और अपने किरदार से मिले आत्मविश्वास पर खुलकर बात की।

यह बात बिल्कुल सच है कि मैं अपनी मां के कपड़े पहनकर रील्स बनाती थी। मां ही मेरे विडियोज शूट किया करती थीं। ट्रडिशनल ड्रेस में लोग मेरे विडियोज पसंद करते थे। धीरे-धीरे मैं उसी में ढल गई। मेरी मम्मी सलमान खान की तगड़ी फैन हैं। वह नैशनल एथिलीट रही हैं। उन्होंने अपने कोच के कहने पर सलमान सर की फिल्म साजन और हम आपके हैं कौन थिएटर में देखने के लिए 500 मीटर की दौड़ जाती थीं। मैं नौवीं क्लास में थी, स्कूल से आने से पहले तक मां मेरे लिए 90 'ह्य के गाने सिलेक्ट करके रखती थीं। फिर मैं मां के सूट पहनकर फटाफट 10-12 विडियोज शूट करती थी। मेरी खिड़की से हवा आती थी, बाल उड़ रहे होते थे और मैं विडियोज बनाती थी। यह हमारा रूटीन था। स्कूल में चाहे कितना भी बोरिंग दिन रहा हो, मैं यही सोचती थी कि घर जाकर विडियोज बनाऊंगी।

फिल्में देखना, अखबार पढ़ना मेरा रूटीन है

सोशल मीडिया आज छिपे टैलंट को मुकाम दे रहा है। मुझे भी पहला काम (फिल्म फर्स्ट डे, फर्स्ट शो) उसी के जरिए मिला। मैं सोशल मीडिया पर जो विडियोज डालती हूं, उसमें गानों की लिप्सिंग रहती है लेकिन ऐक्टिंग एक अलग प्रकिया है। अपनी आवाज को ऐक्ट के साथ सामने लाना और जिस फील के साथ आप सीन शूट कर रहे हो, लोगों तक पहुंचाना इतना आसान नहीं है। बतौर कलाकार मैं इसका मजा ले रही हूं। फिल्में देखना, अखबार पढ़ना मेरी दिनचर्या में शामिल हो गया है क्योंकि मैं अपना क्राफ्ट बेहतर करने की कोशिश में लगी रहती हूं। मैंने थिएटर के लोगों के साथ काम किया है तो उनसे भी काफी कुछ सीखने को मिला है। मैं चाहती हूं कि लोग बोलें कि मैं अ'छी कलाकार हूं।

बाइक चलाते समय कई बार गिरी

संचिता, सान्विका से बिल्कुल विपरीत है। वह बहुत शांत लड़की है, किसी की बात अगर बुरी भी लग जाए तो भी जल्दी अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं करती है। कोने में अकेले जाकर रो लेती है। वहीं, सान्विका बिंदास और बेहद जिद्दी है। उसने मुझे एक स्ट्रेंथ दी है। आज मैं कहीं जाती हूं तो लोग मुझे सान्विका के नाम से बुलाते हैं। 12वीं तक मैं गर्ल्स कॉलेज में पढ़ी थी, उसके बाद 'फर्स्ट डे फर्स्ट शो' की शूटिंग में व्यस्त हो गई तो कॉलेज जाना नहीं हो पाता था। इस किरदार में मुझे कॉलेज लाइफ जीने का मौका भी मिला। मैं जुलाई में अपने ग्रैजुएशन के फाइनल इयर के एग्जाम देने वाली हूं। इस किरदार के लिए ही मैंने बाइक चलाना सीखी। पहले सीजन में बाइक चलाने के दौरान तो मैं कई बार गिरी हूं। हम लोग एक सीक्वेंस शूट कर रहे थे, उस दौरान चार टेक हुए और मैं काफी नर्वस हो गई थी। हर बार ढलान पर बाइक चढ़ाते समय मैं गिर जाती थी। पांचवें टेक में वो शॉट पूरा हुआ था।

पापा से बहुत प्यार करती हूं

हां, यह भी हकीकत है कि मैंने अपने नाम के आगे मां बीना और पापा सुरेंद्र का पहला अक्षर मिलाकर 'बसु' लगाया है। मैं पापा से बहुत प्यार करती हूं। अभी कुछ समय पहले हमारे पटना इवेंट में वह आए थे। मैं उनकी आंखों में आंसू देखकर अपने लिए खुशी देख पा रही थी। मुझे उनको हमेशा गर्व महसूस करवाना है। पापा चाहते थे कि मैं यूपीएससी करूं और मम्मी का सपना था कि मैं डॉक्टर बन जाऊं लेकिन मैं धीरे-धीरे सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। मुझे भी नहीं पता था कि मैं कभी इस लाइन को चुनूंगी, बस मुझे मजा आ रहा था। अब यहां काम कर रही हूं तो अपनी जिम्मेदारी का अहसास हो रहा है क्योंकि फैंस आपसे अपेक्षा रखते हैं। मैं ऐसी हूं कि मुझे सोशल मीडिया पर भी लोग ट्रोल नहीं करते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।